माघ शुक्ल पक्ष -12, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 206 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
30 जनवरी 2026 शुक्रवार

आज का मौसम
20.4 अधिकतम
9.8 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

बिना शादी सेक्स और शराब पीने पर तालिबानी सजा

जकार्ता। इंडोनेशिया एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। जहां- आचे प्रांत में शरिया पुलिस ने एक प्रेमी जोड़े को शादी से पहले यौन संबंध बनाने और शराब पीने के लिए तालिबानी सजा दी है। बिना शादी किए शारीरिक संबंध बनाने और शराब पीने के आरोप में पुलिस ने एक प्रेमी जोड़े को 140-140 बार कोड़े मारे। यह सजा इस्लामी कानून लागू होने के बाद पिछले 25 वर्षों में दी गई सबसे कठोर सजाओं में से एक है। बता दें कि इंडोनेशिया का आचे एकमात्र ऐसा प्रांत है, जहां शरिया कानून लागू है और यहां अविवाहित जोड़ों को शारीरिक संबंध बनाना पूरी तरह गैर कानूनी है।

तमिलनाडु के विरुधुनगर में महसूस हुए भूकंप के झटके

विरुधुनगर। तमिलनाडु राज्य के विरुधुनगर जिले के शिवकाशी से 10 किमी दूर पश्चिम में देर रात भूकंप आया। भूकंप की गहराई का पता नहीं लगाया जा सका, लेकिन माना जा रहा है कि यह उथला था। भूकंप के झटके आसपास के क्षेत्र में व्यापक रूप से महसूस किए गए। कई लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र 9.44 उत्तरी अक्षांश और 77.71 पूर्वी देशांतर पर स्थित था, जिसकी गहराई 10 किमी थी।

ग्वालियर में सड़क हादसा एक ही परिवार के 4 की मौत

ग्वालियर। यहां घने कोहरे के बीच भीषण सड़क हादसा हो गया। भिंड रोड हाईवे पर बंटू ढाबा के सामने तेज रफ्तार ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। सभी मृतक एक ही परिवार के सदस्य थे और भिंड जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। परिवार भिंड से ग्वालियर की ओर जा रहा था। सुबह करीब 8 बजे जैसे ही उनकी कार बंटू ढाबा के पास पहुंची, पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने कार को रौंद दिया। टक्कर के बाद ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क के दाहिने हिस्से में झाड़ियों में जा घुसा।

पीटी उषा के पति का निधन पीएम मोदी ने बंधाया ढांढस

नईदिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य पीटी उषा के पति वी श्रीनिवासन का निधन हो गया है। उन्होंने आज तड़के अंतिम सांस ली। पारिवारिक सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। खबर सुनते ही पीएम मोदी ने पीटी उषा से बात की और दुख की इस घड़ी में उन्हें ढांढस बंधाया। इस मुश्किल वक्त में परिवार को सांत्वना दी। बता दें कि पीटी उषा के पति वी श्रीनिवासन 67 वर्ष के थे।

विराट कोहली का इंस्टाग्राम अकाउंट हुआ डिएक्टिवेट

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का इंस्टाग्राम अकाउंट डिएक्टिवेट होने की खबर जैसे ही सामने आई सोशल मीडिया पर तहलका मच गया। इसे लेकर हालांकि, अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया कि कोहली ने खुद ऐसा किया है या फिर ये कोई तकनीकी खराबी है, लेकिन फैंस को इस बात को जानने की जिज्ञासा है और इसलिए वह उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा से जवाब मांग रहे हैं।

आज का कार्टून

वित्तीय चुनौतियां... सिंहस्थ के लिए 20 हजार करोड़ की दरकार

कर्ज के बोझ तले दबी प्रदेश सरकार आम बजट पर उम्मीद की निगाहें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

साढ़े चार लाख करोड़ रुपए के कर्ज के बोझ तले दबी मध्य प्रदेश सरकार एक बार फिर केंद्र सरकार के आम बजट से बड़ी उम्मीदें लगाए बैठी है। आम बजट के लिए मप्र सरकार ने अपनी वित्तीय जरूरतों की एक लंबी सूची रखी है। इसमें सबसे प्रमुख मांग 2028 में उज्जैन में होने वाले विश्व प्रसिद्ध सिंहस्थ के लिए 20 हजार करोड़ रुपए का विशेष पैकेज है। इसके साथ ही राज्य ने अपनी कर्ज लेने की सीमा बढ़ाने और जल जीवन मिशन जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के हजारों करोड़ के बकाया को चुकाने की गुहार भी लगाई है। बता दें कि राज्य के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर राज्य की जरूरतों का एक विस्तृत ड्राफ्ट सौंपा है। यह ड्राफ्ट न केवल राज्य की वित्तीय चुनौतियों को दर्शाता है, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए उसकी विकास योजनाओं की रूपरेखा भी प्रस्तुत करता है।

केंद्रीय करों में चाहिए ज्यादा हिस्सेदारी

मध्य प्रदेश की वित्तीय उम्मीदें काफी हद तक 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों पर टिकी हुई हैं। वर्तमान में केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी 7.85% है, जिससे प्रदेश को लगभग 1 लाख 11 हजार करोड़ रुपए मिलते हैं। राज्य सरकार ने अपनी बढ़ती जरूरतों और भौगोलिक विस्तार का हवाला देते हुए इस हिस्सेदारी में 10% बढ़ोतरी की मांग की है। अगर केंद्र इस मांग को स्वीकार करता है तो मध्य प्रदेश को केंद्रीय करों से लगभग 1.22 लाख करोड़ रुपए मिल सकते हैं।

सिंहस्थ के लिए मांग रहे हैं विशेष पैकेजः 2028 में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ के लिए प्रदेश सरकार ने केंद्र से 20 हजार करोड़ रुपए के विशेष पैकेज की मांग की है। उज्जैन और उसके आसपास के क्षेत्रों में सड़कों, घाटों, पुल-पुलिया, अस्पतालों और यात्रियों के लिए ठहरने के स्थलों का निर्माण किया जाना है।

कर्ज की सीमा बढ़ाने की गुहार

प्रदेश कर्ज के बढ़ते बोझ से जूझ रहा है। एक अप्रैल 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक यानी केवल 9 महीनों में मोहन सरकार 53,100 करोड़ रुपए का कर्ज ले चुकी है। राज्य पर कुल कर्ज का आंकड़ा साढ़े चार लाख करोड़ रुपए को पार कर चुका है। इस स्थिति के बावजूद सरकार ने केंद्र से कर्ज लेने की सीमा बढ़ाने की मांग की है। इसके पीछे एक तकनीकी कारण भी है। सरकार का कहना है कि 15वें वित्त आयोग की गणना के आधार पर मध्य प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 16 लाख 94 हजार करोड़ रुपए है, लेकिन केंद्र सरकार कर्ज की सीमा की गणना के लिए आकलन 15 लाख 44 हजार करोड़ रुपए पर कर रही है। इस अंतर के कारण राज्य अपनी क्षमता के अनुसार कर्ज नहीं ले पा रहा है। बढ़ते कर्ज पर विपक्ष के सवालों का जवाब देते हुए वित मंत्री ने पहले भी स्पष्ट किया था कि यह पैसा पूंजीगत व्यय, यानी सड़कों, बांधों और अन्य बुनियादी ढांचों के निर्माण पर खर्च हो रहा है। उन्होंने इसे 'कर्ज नहीं, बल्कि भविष्य के लिए निवेश' बताया था।

15.62 लाख करोड़ रुपये डूबे

क्रिप्टो मार्केट कैप में भारी गिरावट से निवेशकों का निकला दिवाला

नईदिल्ली। क्रिप्टोकरेंसी मार्केट आज क्रैश हो गया। 24 घंटे में क्रिप्टो मार्केट कैप में 5 फीसदी से ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। वहीं बिटकॉइन और इथेरियम समेत कई क्रिप्टो करेंसी 6 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गईं। इसकी वजह से 24 घंटे में क्रिप्टो निवेशकों के 15.62 लाख करोड़ रुपये डूब गए।

सुबह करीब 10.30 बजे क्रिप्टो मार्केट कैप 5.42 फीसदी की गिरावट के साथ 2.82 ट्रिलियन डॉलर पर कारोबार कर रहा था। इस गिरावट का असर सभी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी पर दिखाई दिया। बिटकॉइन करीब 6 फीसदी की गिरावट के साथ 82,835 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। पिछले एक हफ्ते में इसमें 7 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई है। वहीं इथेरियम पिछले 24 घंटे में 6 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गई है। यह करीब 2740 डॉलर पर कारोबार कर रही है। क्रिप्टो मार्केट में बड़ी गिरावट से कैंटन क्रिप्टो कॉइन पर कोई असर नहीं पड़ा। बल्कि इसमें आश्चर्यजनक रूप से करीब 6 फीसदी की तेजी आई। इस तेजी के यह 0.1722 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। पिछले एक हफ्ते में यह 20 फीसदी से ज्यादा उछल गई है। वहीं एक महीने का इसका रिटर्न करीब 16 फीसदी रहा है। क्रिप्टो मार्केट में काफी लंबे समय में कोई बड़ा सुधार नहीं हुआ है। ऐसे में निवेशकों में डर का माहौल है।

स्कूली वाहन पर पलटा ट्रक, 19 बच्चे दबे

लखीमपुर, एजेंसी

बच्चों को स्कूल से घर छोड़ने जा रहे वाहन (बोलेरो) पर गन्ने से भरा ट्रक पलट गया। इससे बोलेरो में सवार 19 बच्चे दब गए, घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों से लेकर आसपास के दुकानदारों ने कड़ी मशक्कत कर सभी बच्चों सहित चालक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस हादसे में एक बच्चा घायल हुआ है। एहेतियातन सभी बच्चों को एंबुलेंस से सीएचसी भिजवाया गया, जहां पर सबकी जांच और प्राथमिक उपचार मुहैया कराकर घर भिजवा दिया गया। उधर, हादसे की सूचना मिलते ही क्षेत्रीय विधायक से लेकर तहसील और पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी।

वानिकी सम्मेलन और आईएफएस मीट शुरू

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज प्रशासन अकादमी में वानिकी सम्मेलन और भारतीय वन सेवा मीट-2026 का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।

देश की निचली अदालतों में 46 फीसदी जज रिजर्व कैटेगरी से

तमिलनाडु में संख्या करीब 98 फीसदी

नईदिल्ली, एजेंसी

देश भर की निचली अदालतों में आरक्षित श्रेणी वाले जजों की संख्या सामने आ गई है, जो कि कुल संख्या के लगभग आधी है। राज्यसभा में केंद्र सरकार ने लोअर जुडिशरी में आरक्षित श्रेणी के जजों की संख्या को लेकर अलग-अलग राज्यों का ब्योरा दिया है।

कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने उच्च सदन को बताया कि भारत में निचली अदालतों में काम करने वाले जजों की संख्या अभी 20,833 है, जिनमें से करीब 46 प्रतिशत जज आरक्षित वर्गों के हैं। इनमें तमिलनाडु ऐसा राज्य है जहां अधिकांश जज रिजर्व कैटेगरी से ही हैं। तमिलनाडु में लोअर जुडिशरी में जजों की कुल संख्या 1,234 है, जिनमें से 1,205 (97.6 फीसदी) आरक्षित श्रेणी या ओबीसी, एससी, एसटी के हैं। मतलब तमिलनाडु देश का ऐसा राज्य है, जहां जिला और अधिनस्थ

अदालतों में 100 में से करीब 98 जज आरक्षित श्रेणी से आते हैं। बगल के केंद्र शासित प्रदेश पुडिचेरी में भी स्थिति लगभग ऐसी है, जहां कुल 88.5 फीसदी रिजर्व कैटेगरी के हैं।

कानून मंत्री का कहना है कि संविधान में सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में नियुक्तियों के लिए किसी वर्ग या जाति के व्यक्ति की नियुक्ति की व्यवस्था नहीं है। उन्होंने राज्यसभा में कहा कि यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जजों में किसी भी जाति या वर्ग के लोगों के प्रतिनिधित्व से संबंधित श्रेणी-आधारित आंकड़े केंद्र सरकार के पास उपलब्ध नहीं हैं।

नई व्यवस्था से सामने आने लगे आंकड़े

2018 से यह व्यवस्था है कि हाई कोर्ट के जजों के पद के लिए सिफारिश किए गए लोगों के बारे में एक तय फॉर्मेट में (सुप्रीम कोर्ट की सलाह से तैयार किया गया है) उनके सोशल बैकग्राउंड के बारे में जानकारी देनी होती है। इस तरह की सिफारिशों के आधार पर जो नियुक्तियां हुई, उनमें 2018 से अबतक के बीच 847 जज शामिल हैं। इनमें से 104 ओबीसी, 33 अनुसूचित जाति, 17 अनुसूचित जनजाति और 46 अल्पसंख्यक श्रेणी से लिए गए हैं। इस दौरान 130 महिलाओं को भी हाई कोर्ट का जज बनाया गया है।

यूपी सरकार पर अविमुक्तेश्वरानंद के तीखे तेवर

मैंने शंकराचार्य होने का प्रमाण दिया, अब सीएम योगी सिद्ध करें कि वे गौ-भक्त हैं

वाराणसी. एजेंसी

प्रयागराज माघ मेला छोड़ने के बाद शंकराचार्य सरकार पर तीखे हमले कर रहे हैं। उन्होंने आज वाराणसी में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा- मुझसे शंकराचार्य होने का प्रमाण पत्र मांगा गया। मैंने वह दे दिया। मेरे प्रमाण सच्चे थे, इसलिए उन्हें मानना पड़ा। अब प्रमाण मांगने का समय पीछे छूट गया। अब मुख्यमंत्री को अपने हिंदू होने का प्रमाण देना चाहिए।

उन्होंने कहा-कि हम आपको 40 दिन का समय दे रहे हैं इन दिनों में आप अपने गो-भक्त होने का प्रमाण दीजिए। अगर आप यह प्रमाण नहीं दे पाते, तो समझा जाएगा कि आप नकली हिंदू, कालनेमि, पाखंडी और ढोंगी हैं। सिर्फ दिखावे के लिए आपने गेरुआ वस्त्र धारण किया है। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि मुख्यमंत्री और जगदगुरु रामभद्राचार्य इस समय घेरा बनाकर गोहत्या बंदी की मांग करने वालों पर तरह-तरह के हमले कर रहे हैं। अगर आप सच में हिंदू हैं, तो गऊ माता को राज्य माता घोषित करें। उत्तर प्रदेश से गोमांस का निर्यात बंद करें, नहीं तो भगवा चोला उतार दीजिए। शंकराचार्य ने कहा 10-11 मार्च को लखनऊ में सभी संत-महंत और आचार्य एकत्र होंगे।

भोपाल का पारा 9.8° 10 दिनों बाद सबसे कम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है। ओले-बारिश का दौर थमने के बाद ठंड और कोहरे का असर तेज हो गया है। राजधानी भोपाल में पिछले 10 दिनों से ठंड में मामूली राहत के बाद आज फिर न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से कम 9.8 डिग्री दर्ज किया गया। गौरतलब है कि 20 जनवरी को यह 9.8 डिग्री ही था। वहीं प्रदेश की बात की जाए तो आज सुबह सतना में घना कोहरा छाया रहा, जिससे विजिबिलिटी घटकर महज 50 मीटर रह गई। हालात ऐसे थे कि कुछ ही दूरी पर दिखाई देना मुश्किल हो गया, वहीं रात के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। ग्वालियर समेत प्रदेश के 19 शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। राजगढ़ प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां पारा 3 डिग्री तक पहुंच गया। अगले 3 दिनों में सूबे के कई जिलों में बारिश और कोहरे की संभावना है।

मेट्रो एंकर

एक फरवरी से खत्म हो जाएगा 'नो योर व्हीकल' का प्रावधान

बदलेंगे फास्टैग के नियम... निजी वाहनों को वेरिफिकेशन की जरूरत नहीं

नईदिल्ली. एजेंसी

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने आम लोगों को बड़ी राहत देते हुए एलान किया है कि आगामी एक फरवरी से नए फास्टैग जारी करने के लिए नो योर व्हीकल (KYV) की अनिवार्य प्रक्रिया को खत्म कर दिया जाएगा। यह नया नियम कार, जीप और वैन जैसे निजी वाहनों के लिए लागू होगा। इसका मुख्य उद्देश्य कागजी कार्रवाई को कम करना और टोल प्लाजा पर यात्रा को और ज्यादा आसान बनाना है।

अभी तक कई वाहन मालिकों को फास्टैग एक्टिवेट होने के बाद भी बार-बार डॉक्यूमेंट जमा करने, फोटो अपलोड करने या वेरिफिकेशन के लिए

बैंक से कॉल आने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता था। नए नियमों से एक्टिवेशन के बाद कोई वेरिफिकेशन नहीं होगा। अब नए फास्टैग के लिए सारी जांच टैग जारी होने से पहले ही पूरी कर ली जाएगी। एक बार टैग मिलने के बाद आपको दोबारा कोई डॉक्यूमेंट देने की जरूत नहीं होगी। इसके बाद बैंकों की जिम्मेदारी बढ़ जाएगी। वे सीधे परिवहन विभाग के वाहन डेटाबेस से आपके वाहन की जानकारी वेरिफाई करेंगे। इससे ग्राहक को बार-बार रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट दिखाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हालांकि, कुछ मामलों में वेरिफिकेशन के लिए आरसी का इस्तेमाल किया जा सकता है। अब बैंक की जिम्मेदारी होगी कि वह टैग जारी करने से पहले सारी जानकारी ले ले। वेरिफिकेशन या KYV सिर्फ उन्हीं मामलों में होगा जहां फास्टैग गलत वाहन पर लगा पाया जाएगा, टैग सही से न चिपका हो या ढीला हो। फास्टैग का गलत इस्तेमाल या धोखाधड़ी का शक होने पर जांच की जा सकती है।

उल्लेखनीय है कि यह छूट सिर्फ प्राइवेट वाहनों जैसे कार, जीप और वैन के लिए है। कॉमर्शियल वाहनों जैसे बस, ट्रक को यह छूट नहीं दी गई है। उन्हें पुराने नियमों का ही पालन करना होगा। नेशनल हाईवे पर सफर के लिए फास्टैग अभी भी अनिवार्य है। साथ ही बिना बैलेंस या बिना फास्टैग वाली गाड़ी को टोल पर दोगुना टैक्स देना पड़ता है, इसलिए अपना रिचार्ज समय पर रखें।

ब्लैकलिस्ट होने से बचेंगे

आपके पास अगर पहले से फास्टैग है और वह सही तरीके से काम कर रहा है, तो आपको कुछ भी करने की जरूरत नहीं है। जब तक आपके टैग में कोई गड़बड़ी नहीं पाई जाती, आपसे कोई वेरिफिकेशन नहीं मांगा जाएगा। माना जा रहा है कि बदलाव के बाद नया फास्टैग लेना और उसे चालू करना पहले से कहीं ज्यादा तेज और आसान होगा। बार-बार डॉक्यूमेंट अपलोड करने का झंझट खत्म हो जाएगा। इसके अलावा वेरिफिकेशन पेंडिंग होने की वजह से टैग के अचानक बंद या ब्लैकलिस्ट होने की समस्या नहीं आएगी। टोल प्लाजा पर लंबी लाइनों और वेरिफिकेशन से संबंधी विवादों में कमी आएगी।

आर्मी बैंड ने सुनाई देशभक्ति गीतों की धुन

बीटिंग रिट्रीट के साथ गणतंत्र दिवस समारोह का समापन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश में 77वें गणतंत्र दिवस समारोह का समापन राज्यपाल मंगुभाई पटेल की उपस्थिति में ऐतिहासिक बीटिंग द रिट्रीट के साथ सम्पन्न हुआ। समारोह में महिला टुकड़ी ने ससम्मान राष्ट्रीय ध्वज का अवरोहण किया। सारे जहां से अच्छा की मधुर धुन, राष्ट्रगान और आतिशबाजी के साथ आयोजन का समापन हुआ। रंगीन रोशनी, आतिशबाजी और देशभक्ति की धुनों के बीच लाल परेड मैदान को सांस्कृतिक चेतना और अनुशासन का जीवंत मंच बन गया। दिल्ली के साथ केवल भोपाल में आयोजित होने वाला यह समारोह सैन्य परंपरा और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक बनकर उभरा। इस अवसर पर मध्यप्रदेश पुलिस और आर्मी ब्रास बैंड की संगीतमय प्रस्तुतियों ने राष्ट्रभक्ति और परंपरा का अनुपम संगम रचा। वंदे मातरम से लेकर मेरे देश की धरती और संदेशे आते हैं जैसी लोकप्रिय धुनों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इसके साथ ही आधुनिक और सदाबहार गीतों के फ्यूजन ने कार्यक्रम को सकारात्मक ऊर्जा से भरने का कार्य किया। वहीं कार्यक्रम के मध्य में पुलिस और आर्मी बैंड की संयुक्त प्रस्तुति में मास्ड बैंड, क्विक मार्च और स्लो मार्च पर सटीक तालमेल के साथ मार्च पास्ट सभी के आकर्षण का केंद्र बन गए। जिसके बाद ड्रम रोल और बैंड डिस्प्ले ने सैन्य परंपरा की गरिमा को भी जीवंत किया।

बता दें, बीटिंग रिट्रीट' एक प्राचीन सैन्य परंपरा है यह उन दिनों से प्रचलन में है जब युद्ध में सैनिक सूर्यास्त के समय या उसके तुरंत बाद युद्ध करना बंद कर देते थे। जैसे ही बिगुलों से 'रिट्रीट' की आवाज दी जाती थी लड़ रहे सैनिक अपने हथियार बंद कर युद्ध के मैदान से हट जाते थे, इसलिये रंग, मानक आवरण और झंडे 'रिट्रीट' पर उतारे जाते हैं। समारोह में मार्शल संगीत का मिश्रण और एक बैंड कार्यक्रम शामिल है, जिसके बाद रिट्रीट की ध्वनि सुनाई देती है। आधुनिक भारत में 'बीटिंग द रिट्रीट' समारोह गणतंत्र दिवस समारोह के समापन का प्रतीक है। हर वर्ष 29 जनवरी की शाम अर्थात गणतंत्र दिवस के तीसरे दिन 'बीटिंग द रिट्रीट' का आयोजन किया जाता है। यह समारोह केवल राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली और भोपाल में होता है। इस दौरान बैण्ड कंसर्ट का आयोजन किया जाता है, जिसमें देशभक्ति, लोकसंगीत, भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं लोकप्रिय संगीत की धुनें बजाई जाती हैं।

50 साल पुरानी सड़क से मिलेगी मुक्ति, वैकल्पिक मार्ग तैयार, लेकिन सर्विस रोड का काम पूरा नहीं

'कनेक्टिविटी' हुई फेल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन तक वैकल्पिक पहुंच मार्ग का निर्माण पूरा हो गया है। रेल प्रशासन ने यहां सीमेंट कांक्रीट कार्य कराया गया है लेकिन नागरिकों को इसका पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। दरअसल इस मार्ग को फाटक रोड पर बनाए जा रहे सर्विस रोड से जोड़ा जाना है। सर्विस रोड का काम दो साल में भी नहीं हो सका है।

भविष्य में आसान होगी आवाजाही

योजना के अनुसार स्टेशन पर आने वाले वाहन वैकल्पिक मार्ग से सर्विस रोड से होते हुए बैरागढ़ बाजार तक जा सकेंगे। सर्विस रोड से जुड़ने के बाद नए एवं पुराने मार्ग को वन वे करने पर विचार किया जा सकता है। रेल सुविधा संघर्ष समिति लंबे समय से वैकल्पिक मार्ग का निर्माण करने की मांग करती रही है। समिति के अध्यक्ष परसराम आसनानी ने कहा है कि नया मार्ग बनने से यात्रियों को सुविधा हो जाएगी।

पुराने मार्ग पर यातायात का दबाव

संत हिरदाराम नगर स्टेशन तक पहुंच मार्ग का निर्माण करीब 50 साल पहले हुआ था। तब स्टेशन से ट्रेनों की आवाजाही कम थी। पहले यहां चुनिंदा ट्रेनों का ही स्टापेज था। भविष्य में ट्रेनों का स्टापेज बढ़ने की उम्मीद है ऐसे में स्टेशन रोड छोटा साबित हो रहा है। यही कारण है कि रेलवे ने अपने हिस्से में ही वैकल्पिक मार्ग का निर्माण किया है। इसे फाटक रोड पर आरओबी के नीचे बने सर्विस रोड से जोड़ने का प्रस्ताव है। सर्विस रोड का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका है।

व्यापार और यातायात को मिलेगी राहत

आसनानी ने कहा है कि सर्विस रोड का काम जल्द पूरा करना चाहिए ताकि नागरिकों को सुविधा हो सके। समिति ने रेल प्रशासन को पुराने मार्ग को आगमन एवं नए मार्ग के प्रस्थान मार्ग के रूप में विकसित करने का सुझाव दिया है। यदि ऐसा किया गया तो दोनों मार्ग पर यातायात का दबाव कम होगा। वर्तमान में पुराने मार्ग पर यातायात का दबाव अधिक है। यह मार्ग व्यवसायिक स्थल है। यातायात अधिक होने से कारोबार पर असर पड़ रहा है।

संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर बदलाव

प्लेटफॉर्म-1 का एफओबी आज से बंद, नया पुल यात्रियों के लिए खुला

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा और स्टेशन सुविधाओं के उन्नयन को ध्यान में रखते हुए प्लेटफॉर्म क्रमांक-01 पर स्थित पुराना 3 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) 30 जनवरी 2026 से बंद किया जाएगा। रेलवे प्रशासन ने इसकी सूचना जारी कर दी है।

पुराने एफओबी के स्थान पर भोपाल सिरे की ओर नया 3 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज तैयार कर लिया गया है, जिसे यात्रियों के आवागमन के लिए खोल दिया गया है। वर्तमान में यात्री इसी नए एफओबी का उपयोग कर सुरक्षित और सुगम रूप से प्लेटफॉर्म बदल सकते हैं।

एक और नए फुट ओवर ब्रिज का हो रहा निर्माण

जानकारी के अनुसार इसके अलावा, पुराने एफओबी के समीप 12 मीटर चौड़े अत्याधुनिक नए फुट ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य भी तेज़ी से चल रहा है। इसके पूरा होने के बाद स्टेशन पर यात्रियों की आवाजाही और अधिक सुविधाजनक हो जाएगी। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे पुराने पुल के स्थान पर नए एफओबी का ही उपयोग करें और स्टेशन पर की जा रही उद्घोषणाओं का पालन करें। निर्माण कार्य के दौरान यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है।

आंचलिक विज्ञान केंद्र में तीन दिवसीय नवप्रवर्तन महोत्सव

छात्रों ने जल कुंभी से बनाया कागज

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

आंचलिक विज्ञान केंद्र में तीन दिवसीय नवप्रवर्तन महोत्सव आयोजित हुआ।सेंट जोसेफ कोएड स्कूल के छात्र विभोर शर्मा और रविराज ने बताया उन्होंने मॉडल के कन्वेयर बेल्ट और प्रोपेलर की मदद से जल कुंभी को पानी से निकालकर पौधे के तने को सोडियम हाइड्रॉक्साइड मिलाकर तैयार पल्प को रिसाइकल पेपर में मिलाकर, स्टार्च सोल्यूशन में डुबोकर प्रक्रिया पूरी कर कागज बनाया है।

विद्यार्थियों के अनुसार बाजार में मिलने वाले कागज के दाम से यह काफी किफायती, मजबूत, स्याही न फैलने वाला है। साथ ही पर्यावरण अनुकूल और जैविक रूप से नष्ट होने योग्य है। महोत्सव के आखिरी दिन बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। जिसमें विभिन्न स्कूल के बच्चों ने रोचकता के साथ मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विशेषज्ञ डॉ. विनिता मोहिंद्र के माध्यम से किसी भी प्रोडक्ट को पेटेंट करवाने के विभिन्न प्रक्रियाओं को समझा। महोत्सव के आखिरी दिन प्रदेश के 30 स्कूलों और 20 कालेजों सहित 10 ग्रासरूट स्तर के प्रोजेक्ट प्रदर्शनी में शामिल रहे।

स्मार्ट 'जल मित्र' डिहाइड्रेशन में मदद: सागर पब्लिक स्कूल के छात्र आत्मन तिवारी ने पानी पीने की आदत सुधारने के लिए एक स्मार्ट एआई आधारित पानी की बोतल 'जल मित्र' तैयार की है। आम लोगों में डिहाइड्रेशन की समस्या को कम करने के उद्देश्य इसमें स्मार्ट बोतल में अल्ट्रासोनिक सेंसर लगाया गया है, जो बोतल में मौजूद पानी की मात्रा को मापकर समय के साथ पानी पीने का पैटर्न को ट्रैक करता है। इसमें एलईडी डिस्प्ले के माध्यम से 'ड्रोपलेट' पानी कम होने पर यूजर को पानी पीने की याद दिलाता है। फिलहाल यह प्रोजेक्ट प्रोटोटाइप स्तर पर है।

टाइगर रिजर्व में बफर क्षेत्र के चारों ओर की जाएगी फेंसिंग

390 करोड़ मंजूर, शुरुआत रातापानी से

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के सभी 9 टाइगर रिजर्व के आसपास बसे ग्रामीण क्षेत्रों में इंसान व जंगली जानवरों के बीच टकराव और संघर्ष की घटनाएं रोकने के लिए राज्य सरकार ने बफर क्षेत्रों के विकास के लिए 390 करोड़ रुपए की मंजूरी दे दी है। राशि से बफर क्षेत्रों में जंगल से जहां ग्रामीण क्षेत्र सटे हैं, उनके बीच चेन-लिंक तार फेंसिंग की जाएगी। यह फेसिंग अगले 5 साल में वर्ष 2030 तक लगभग 500 किमी लंबाई में की जाएगी। पहले चरण में 52.434 किमी लंबाई में यह फेसिंग पांच टाइगर रिजर्व में उन क्षेत्रों में होगी, जहां पिछले कुछ सालों में जंगली जानवरों के हमलों में इंसानों की मौत हुई है। इनमें भोपाल के पास रायसेन

जिले में रातापानी, बालाघाट, मंडला और डिंडोरी में कान्हा, उमरिया और शहडोल में बांधवगढ़, सिवनी और छिंदवाड़ा में पेंच और सीधी व शहडोल के ब्यौहारी में संजय टाइगर रिजर्व की बफर सीमा शामिल हैं। यहां करीब 10 करोड़ से यह फेसिंग होगी। फेसिंग होने के बाद टाइगर रिजर्व के बफर क्षेत्रों में चारागाहों के विकास और सतही जल स्रोतों के विकास से जुड़े काम किए जाएंगे।

हज-2026 के लिए प्रतीक्षा सूची से 41 यात्रियों का चयन, कल तक जमा करनी होगी अग्रिम राशि

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

हज कमेटी ऑफ इंडिया ने हज-2026 के लिए प्रतीक्षा सूची की पांचवीं सूची जारी कर दी है। इस सूची में मध्यप्रदेश की प्रतीक्षासूची क्रमांक 2968 से 3008 तक के कुल 41 हज आवेदकों को प्रोविजनल रूप से चयनित किया गया है।

चयनित हज यात्रियों को अग्रिम हज राशि 2 लाख 77 हजार 300 रुपए जमा करनी होगी। इसमें प्रथम किस्त 1 लाख 52 हजार 300 रुपए और द्वितीय किस्त 1 लाख 25 हजार रुपए शामिल हैं। राशि जमा करने की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 तय की गई है। हज राशि हज कमेटी ऑफ इंडिया की

वेबसाइट पर या हज सुविधा ऐप के माध्यम से क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड और नेट बैंकिंग से जमा की जा सकती है। इसके अलावा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की किसी भी शाखा में निर्धारित पे-इन-स्लिप के जरिए भी राशि जमा करने की सुविधा है। राशि जमा करते समय प्रत्येक हज यात्री को बैंक रेफरेंस नंबर दर्ज करना अनिवार्य होगा। राशि जमा करने के बाद प्रोविजनल रूप से चयनित हज यात्रियों को हज आवेदन फॉर्म की हस्ताक्षरित प्रति, आवश्यक दस्तावेज और मेडिकल स्क्रीनिंग व फिटनेस सर्टिफिकेट अपलोड करना होगा। ये दस्तावेज हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर ऑनलाइन अपलोड किए जा सकते हैं या मध्यप्रदेश राज्य हज कमेटी कार्यालय हज हाउस ग्राम सिंगारचोली गुलमोहर गार्डन के पीछे एयरपोर्ट रोड भोपाल में 2 फरवरी 2026 तक जमा किए जा सकते हैं।

शुरू हुआ तीन दिवसीय मातृभाषा समारोह

भोपाल। मातृभाषा मंच के तत्वावधान में आज से 'मातृभाषा समारोह-2026' की शुरुआत हुई। भेल दशहरा मैदान, गोविन्दपुरा में आयोजित इस तीन दिवसीय इस आयोजन में भोपाल के विभिन्न भाषायी परिवारों की सहभागिता से मातृभाषाओं की समृद्ध परंपरा, संस्कृति और भारतीय विचारधारा को मंच मिलेगा। समारोह में लगभग 18 भाषायी परिवारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी। साथ ही विभिन्न भाषायी संस्कृतियों के पारंपरिक व्यंजनों के फूड स्टॉल और सांस्कृतिक प्रदर्शनियाँ भी लगाई जाएँगी। आयोजकों के अनुसार, प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी हजारों विद्यार्थियों एवं नगरवासियों के शामिल होने की संभावना है। समारोह के पहले आज सुबह से विद्यार्थियों पर केंद्रित गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इसके बाद राष्ट्रभक्ति गीत एवं 'वंदे मातरम' पर आधारित नाटिका का प्रदर्शन होगा।

नूतन कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी

एकल परिवार से बिखरते सामाजिक परिवेश पर चिंता

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

नूतन कॉलेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन परिवार विवाह परामर्श प्रकोष्ठ एवं समाजशास्त्र विभाग द्वारा किया गया। जिसका विषय भारतीय परिवार व्यवस्थाः चुनौतियों एवं समाधान है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. दीप्ति श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में एवं डॉ. सदानंद दामोदर सप्रे व डॉ. भारती कुमारे सातनकर की अध्यक्षता में कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

अतिथियों के सम्मान में स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया एवं छात्राओं में जागरूकता के लिए सर्टिफिकेट डिप्लोमा कोर्स प्रारंभ करने की बात कही गई। इसके बाद कार्यक्रम की संयोजक डॉ. निशा जैन द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्देश्य पर प्रकाश डाला गया। विशिष्ट अतिथि कवीन्द्र कियावत ने अपने बीज वक्तव्य में परिवार की परिभाषा बताते हुये मानव सभ्यता में परिवार व्यवस्था का कैसे विकास हुआ, पर अपनी विचार व्यक्त किये। उन्होंने संयुक्त परिवार की महत्ता को प्रतिपादित किया तथा वर्तमान में एकल परिवार के कारण बिखरता परिवार एवं सामाजिक ह्रास पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि भारतीय समाज एवं परिवार सदियों से संयुक्त परिवार में रहकर धार्मिक अनुष्ठानों, पर्व, तीज-त्यौहारों को एक साथ मनाया करते थे तथा बच्चों में सत्संग एवं प्रार्थना आदि के माध्यम से संस्कारित किया करते थे, जबकि एकाकी परिवार में इन सब का अभाव दिखाई देता है जो कि भविष्य के लिये भारतीय परिवार व्यवस्था पर एक चुनौती है। डॉ. सदानंद सप्रे ने उद्बोधन का आरंभ 'रोमा मिश्र मिट गए जहां से, कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी' पंक्तियों के माध्यम से किया। जिसमें भारतीय संस्कृति के महत्व को बताया, उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति विशेष है जो कि सनातन से आज तक उतनी ही सशक्त और समृद्ध बनी हुई है।

मेट्रो एंकर

रवीन्द्र भवन में सूफियाना सुरों से गूंजा लोकरंग

लोकरंग में जीवंत हुई भारत की लोक परंपराएं

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

लोकरंग के मंच पर जैसे ही पंजाबी लोक और सूफी गायक बॉबी सिद्धु की आवाज गूंजी, रवीन्द्र भवन का मुक्ताकाश मंच सुरों और तालियों से गूंज उठा। सूफियाना कलाम और लोकप्रिय पंजाबी लोक गीतों की प्रस्तुति ने दर्शकों को कुर्सियों पर बैठे बैठे ही आनंद में सराबोर कर दिया. सूफी और लोक संगीत के संगम ने शाम को लोकरंग की सबसे यादगार सांस्कृतिक संध्या में बदल दिया। उत्सव में संगीत, नृत्य, शिल्प और लोक जीवन के रंग एक साथ दिखाई दे रहे हैं और शहरवासी इन दिनों भारतीय लोक संस्कृति अदभुत झलक का आनंद लेते नजर आ रहे हैं।

कठपुतली और लोक वाद्य ने बांधा समांः कठपुतली नृत्य और लोक वाद्य प्रस्तुतियों ने बच्चों और युवाओं को विशेष रूप से आकर्षित किया। बीन वादन और मलखंभ के प्रदर्शन ने कार्यक्रम को रोचक और शिक्षाप्रद बना दिया। दर्शकों ने कलाकारों के साथ ताल मिलाते हुए पारंपरिक संस्कृति से जुड़ाव महसूस किया। 41वें लोकरंग समारोह में मध्यप्रदेश सहित देश के 13 राज्यों के लोक और जनजातीय नृत्यों की प्रस्तुति ने भारतीय संस्कृति की विविधता को मंच पर जीवंत कर दिया। करमा, कोरकू, छपेली, चरखुला, डांडिया, भारिया भड़म, डोगरी और ओडिशा का शृंगारी नृत्य दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहे। कलाकारों के रंगीन परिधान, पारंपरिक वाद्ययंत्र और समूह नृत्य ने लोक जीवन की झलक दिखाई। लोकरंग में लगी बर्तन प्रदर्शनी में 500 से 600 वर्ष पुराने पारंपरिक बर्तन दर्शकों के लिए खास आकर्षण हैं। मध्यप्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से लाए गए लगभग 300 प्रकार के बर्तन प्रदर्शित किए गए हैं। इनमें लोहे, पीतल, तांबे, कांसे और लकड़ी के दुर्लभ बर्तन शामिल हैं।

तीन दिनी मिलेट्स व ट्रेडिशनल फूड फेस्टिवल आज से

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में आज से 1 फरवरी तक मिलेट्स एवं ट्रेडिशनल फूड फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य मोटे अनाजों के महत्व, पोषण मूल्य और भारतीय खाद्य परंपरा में उनकी भूमिका को जनसामान्य तक पहुंचाना है। महोत्सव में सिक्किम, उत्तराखंड, मप्र, महाराष्ट्र, तेलंगाना व अरुणाचल प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों से लोक व जनजातीय समुदायों के कलाकार और खाद्य विशेषज्ञ भाग लेंगे। वे मिलेट्स से बने पारंपरिक व्यंजन, मिठाइयां और अन्य खाद्य पदार्थ स्थल पर तैयार कर आगंतुकों के लिए उपलब्ध कराएंगे।

यज्ञशाला में सीएम मोहन ने दी पूर्णाहुति

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंदसौर में पशुपतिनाथ लोक का लोकार्पण कर यज्ञशाला में पूर्ण आहुति दी।

संपदा 2.0 साफ्टवेयर के बाद फेसलेस सर्विसेस में एक और कदम आगे बढ़ेगा प्रदेश

अब लीज, पॉवर ऑफ अटार्नी करेंगे साइबर रजिस्ट्रार, 75 से अधिक सेवाएं होंगी उपलब्ध

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में साइबर तहसील की सफलता के बाद अब राज्य सरकार साइबर रजिस्ट्रार की व्यवस्था शुरू करने जा रही है। इस व्यवस्था के लागू होने के बाद जमीन की खरीदी-बिक्री को छोड़कर रजिस्ट्रार पंजीयन के तहत आने वाली 75 से अधिक सेवाएं साइबर रजिस्ट्रार के माध्यम से उपलब्ध होंगी। शुरुआती चरण में ये सेवाएं आईजी पंजीयन कार्यालय से शुरू की जाएंगी, जिन्हें बाद में जिला स्तर पर लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जल्द ही इस सेवा का शुभारंभ करेंगे।

पंजीयन अधिकारियों के अनुसार, संपदा-2.0 सॉफ्टवेयर की शुरुआत के बाद यह सुविधा शुरू की जा रही है। पूरी व्यवस्था वर्चुअल होगी, जिसमें स्लॉट बुकिंग से लेकर दस्तावेज पंजीयन तक की प्रक्रिया ऑनलाइन रहेगी। इस सुविधा के तहत मध्यप्रदेश, अन्य राज्यों या विदेश में रहने वाले लोग भी साइबर रजिस्ट्री के माध्यम से अपने दस्तावेजों का पंजीयन करा सकेंगे। इसके लिए सरकार अलग से पंजीयन शुल्क भी ले सकेगी। ट्रायल के तौर पर संपदा-2.0 की लॉन्चिंग के समय विदेश में रहने वाले दो खरीदारों की ऑनलाइन रजिस्ट्री की जा चुकी है। इनमें एक खरीदार ने हांगकांग से भोपाल में और दूसरे ने नीदरलैंड्स से इंदौर में संपत्ति की रजिस्ट्री कराई थी। उन्हें इसके लिए प्रदेश में आने की जरूरत नहीं पड़ी।

आधार, वीडियो और आईडी का मिलान जरूरी

फेसलेस रजिस्ट्री के लिए पक्षकारों को आधार नंबर देना अनिवार्य होगा। वर्चुअल प्रक्रिया के दौरान एआई सिस्टम के माध्यम से वीडियो रिकॉर्ड किया जाएगा, जिसमें पक्षकार को सिर दाएं-बाएं और ऊपर-नीचे घुमाने के निर्देश दिए जाएंगे। इसके बाद किसी एक पहचान पत्र–जैसे वोटर आईडी, पासपोर्ट, पैन कार्ड या ड्राइविंग लाइसेंस–की मांग की जाएगी। एआई सिस्टम वीडियो, आधार फोटो और आईडी के फोटो का मिलान करेगा। सभी विवरण सही पाए जाने पर ही साइबर रजिस्ट्री संभव होगी।

आईजी पंजीयन बोले- फेसलेस सिस्टम से आएगी तेजी

आईजी पंजीयन अमित तोमर ने बताया कि इसके लिए आईजी कार्यालय में पूरा सेटअप तैयार कर लिया गया है और छह सब-रजिस्ट्रार की पदस्थापना भी की जा चुकी है। साइबर सब-रजिस्ट्रार किन दस्तावेजों का पंजीयन कर सकेंगे, इसका नोटिफिकेशन जारी किया जा चुका है। इसमें 75 से अधिक प्रकार के दस्तावेज शामिल हैं, हालांकि अभी जमीन की रजिस्ट्री इस दायरे में नहीं आएगी। उन्होंने बताया कि शुरुआती दौर में लीज, हलफनामा, पावर ऑफ अटॉर्नी सहित अन्य दस्तावेजों का पंजीयन फेसलेस प्रक्रिया से किया जा सकेगा। पूरी प्रक्रिया वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और वर्चुअल माध्यम से होगी, जिससे लोगों को कार्यालय आने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

सभी दस्तावेजों में सब-रजिस्ट्रार से जुड़ना जरूरी नहीं

शुरुआती चरण में शामिल 75 प्रकार के दस्तावेजों में सभी मामलों में सब-रजिस्ट्रार का वर्चुअल रूप से जुड़ना अनिवार्य नहीं होगा। कुछ दस्तावेजों में यह जरूरी होगा, जबकि कुछ में यह विकल्प वैकल्पिक रहेगा। यह जानकारी वर्चुअल प्रक्रिया के दौरान ही स्पष्ट होगी।

दबावमुक्त होने की घोषणा अनिवार्य

संपदा-2.0 सॉफ्टवेयर के जरिए मिलने वाली इस फेसलेस सुविधा में पक्षकारों को यह घोषणा करनी होगी कि वे किसी दबाव में नहीं हैं और अपनी स्वेच्छा से इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के माध्यम से पंजीयन करा रहे हैं। इसके लिए पहले ई-केवाईसी और ई-साइन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

बजट सत्र: सदन में संग्राम की तैयारी

कफ सिरप, दूषित जल और सैन्य अधिकारी के अपमान को मुद्दा बनाएगी कांग्रेस

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र 16 फरवरी से प्रारंभ होगा। इसमें कांग्रेस छिंदवाड़ा, पांढुर्णा और बैतूल में 24 बच्चों की कोल्ड्रिफ कफ सिरप से मौत, इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित जल से 30 लोगों की मौत और कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर मंत्री विजय शाह के असभ्य बयान पर कोई कार्रवाई न करने को मुद्दा बनाएगी। स्वास्थ्य विभाग भी देख रहे उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह के त्यागपत्र की मांग भी कांग्रेस करेगी।

सत्र के दौरान सदन के बाहर भी पार्टी प्रदर्शन करेगी। पार्टी सूत्रों का कहना है कि भले ही बजट सत्र में केवल 12 बैठकें होनी हैं लेकिन कांग्रेस इसमें सरकार को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उक्त मुद्दों के अलावा प्रदेश में फल-फूल रहे ड्रग्स के कारोबार, कानून-व्यवस्था की बदतर स्थिति, बेरोजगारी, बजट से अधिक कर्ज, निवेश के लिए तमाम कदम उठाने के बाद भी उद्योगों की स्थापना न होने और किसानों से जुड़े मुद्दे उठाए जाएंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का कहना है कि सदन के भीतर विधायक दल और बाहर संगठन सरकार को घेरने का काम करेगा।

राहुल गांधी ने जनहित के मुद्दे जोर-शोर से उठाने के दिए निर्देश

इस बीच, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को दिल्ली में आयोजित बैठक में प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जनहित के मुद्दों को जोर-शोर से उठाया जाए। उन मंत्रियों के त्यागपत्र की आवाज बुलंद की जाए, जो दूषित जल और जहरीले कफ सीरफ से लोगों की मौत के जिम्मेदार हैं। एससी-एसटी, ओबीसी, युवा और महिलाओं से जुड़े विषयों को प्रमुखता से जनता के सामने रखें।

कॉलेज-यूनिवर्सिटी को अब नियम मानने होंगे

एमपी में छात्र सुरक्षा-पढ़ाई व्यवस्था पर सरकार सख्त

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने कॉलेज और विश्वविद्यालयों की कार्यप्रणाली को लेकर सख्ती बढ़ा दी है। सरकार ने साफ कहा है कि अब छात्रों की सुरक्षा, पढ़ाई की गुणवत्ता और प्रशासनिक व्यवस्था में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कुलगुरुओं के साथ बैठक में निर्देश दिए कि यदि किसी छात्र की आत्महत्या या अप्राकृतिक मौत की जानकारी मिलती है, तो कॉलेज या विश्वविद्यालय को तुरंत पुलिस को सूचना देनी होगी। यह नियम कैंपस के अंदर या बाहर, दोनों जगह हुई घटनाओं पर लागू होगा। सरकार ने यह भी कहा है कि सभी शैक्षणिक संस्थानों में यूजीसी के जरूरी नियमों का पालन अनिवार्य होगा। इसमें एंटी-रैगिंग व्यवस्था, समान अवसर प्रकोष्ठ, आंतरिक शिकायत समिति और छात्र शिकायत निवारण सिस्टम को सक्रिय रखना शामिल है।

परीक्षा से लेकर प्रशासन तक सब डिजिटल

अब सभी विश्वविद्यालयों में डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली अनिवार्य होगी। अकादमिक और प्रशासनिक कार्यों के लिए ग्रुग्रुक्ष॥ डिजिटल प्लेटफॉर्म को पूरी तरह लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। परिणामों की देरी, रिकॉर्ड में गड़बड़ी और मैनुअल हस्तक्षेप को खत्म करने पर फोकस रहेगा। सरकार ने विश्वविद्यालयों को चार महीने के भीतर शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक रिक्त पद भरने का अल्टीमेटम दिया है।

डिंडोरी में गोदाम बना कबाड़खाना

5800 मीट्रिक टन अमानक चावल गोदामों में डंप, सात नोटिस का भी नहीं हुआ असर

डिंडोरी, दोपहर मेट्रो

डिंडौरी जिले में सरकारी और निजी गोदामों में रखे राशन को लेकर बड़ी लापरवाही और मनमानी सामने आई है। वर्ष 2023-24 के दौरान राइस मिलर्स द्वारा करीब 5800 मीट्रिक टन अमानक चावल सरकारी गोदामों में जमा करा दिया गया, जिसे जांच में फेल घोषित किया गया। हैरानी की बात यह है कि विभाग द्वारा सात बार नोटिस जारी करने के बावजूद अधिकांश मिलर्स ने न तो चावल बदला और न ही उसकी गुणवत्ता सुधारने की कोई पहल की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने मध्य प्रदेश सिविल सप्लाई कॉर्पोरेशन के भोपाल स्थित महाप्रबंधक को पत्र लिखकर दोषी मिलर्स पर सख्त कार्रवाई की अनुशंसा की है। जानकारी के मुताबिक खनूजा, लक्ष्मी अग्रवाल, मां नर्मदा और मेकल सुता जैसे बड़े गोदामों में रखा चावल गुणवत्ता मानकों पर खरा नहीं उतरा। विभाग ने 21 नवंबर 2025 को बैठक आयोजित कर मिलर्स को अपने खर्च पर चावल बदलने के स्पष्ट निर्देश दिए थे।

इसके बावजूद भारत राइस मिल, बजरंग राइस मिल, वाहे गुरु और मां नर्मदा राइस मिल सहित कई मिलर्स ने विभागीय आदेशों की अनदेखी की। मिलिंग नीति के तहत यदि चावल अमानक पाया जाता है तो संबंधित मिल पर मिलिंग राशि का चार गुना जुर्माना और तीन साल के लिए ब्लैकलिस्ट करने का प्रावधान है, लेकिन अब तक इस नियम का सख्ती से पालन नहीं हो सका है।

इधर जिले के गोदामों में रखा अन्य राशन भी बर्बादी का शिकार हो रहा है। निगावानी गोदाम में जांच के दौरान लगभग 1600 क्विंटल गेहूं खराब पाया गया। इसके अलावा वर्ष 2018-19 की मसूर दाल और कोरोना काल में गरीबों के लिए आया चना व अन्य दालें भी सड़ चुकी हैं। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि इस बर्बादी की जानकारी कई बार भोपाल के वरिष्ठ अधिकारियों को भेजी जा चुकी है।

भाजपा विधायक ने जताया कड़ा विरोध

इस पूरे मामले पर भाजपा विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि जब घटिया चावल जमा किया गया, तब गुणवत्ता जांच करने वाले अधिकारी अपनी जिम्मेदारी क्यों नहीं निभा रहे थे। मामले के प्रभारी अधिकारी और डिप्टी कलेक्टर वैद्यनाथ वासनिक ने बताया कि भोपाल की निरीक्षण टीम ने गड़बड़ी उजागर की है। सात नोटिस के बाद केवल दो मिलर्स ही चावल सुधारने को तैयार हुए हैं, शेष के खिलाफ कार्रवाई के लिए रिपोर्ट मुख्यालय भेज दी गई है।

मध्यप्रदेश के कारीगरों की दिल्ली हाट में सहभागिता

भोपाल। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश के पाँच पारंपरिक कारीगर 31 जनवरी 2026 तक दिल्ली हाट, नई दिल्ली में आयोजित शिल्प एवं हस्तकला प्रदर्शनी में सहभागिता कर रहे हैं। यह सहभागिता भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा प्रायोजित है तथा राज्य नोडल विभाग हस्तकरघा एवं हस्तशिल्प संचालनालय, भोपाल द्वारा समन्वित की जा रही है। मध्यप्रदेश से चयनित ये पाँच कारीगर प्रदेश की जीवंत एवं समृद्ध शिल्प परंपराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। इनके द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे उत्पादों में इंदौर के पारंपरिक चमड़े के खिलौने, सीहोर के लकड़ी के खिलौने, पारंपरिक लकड़ी की नक्काशीदार मूर्तियाँ, बेतूल की डोकरा (घंटी धातु) कला तथा चमड़े से निर्मित परिधान एवं एसेसरीज़ शामिल हैं।

वर्तमान में 4,80,592 मामले लंबित

मप्र हाई कोर्ट में जजों की संख्या नहीं बढ़ी तो पेंडिंग केस निपटाने में लगेंगे 40 साल

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की मुख्यपीठ जबलपुर और खंडपीठ इंदौर व ग्वालियर में यदि न्यायाधीशों की मौजूदा संख्या 42 से बढ़कर 75 या 85 नहीं होती है, तो साढ़े चार लाख 80 हजार से अधिक लंबित प्रकरणों का बैकलाग खत्म करने में पांच या दस साल नहीं, बल्कि चार दशक से अधिक समय लग सकता है।

इस संबंध में एरियर कमेटी की रिपोर्ट महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिसमें स्पष्ट किया गया है कि न्यायाधीशों की नियुक्ति में देरी लंबित मामलों के बढ़ने का प्रमुख कारण है। ऐसे में हाई कोर्ट में लंबित मामलों की स्थिति और उनके समाधान पर गंभीरता से ध्यान देना

आवश्यक हो गया है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 39-ए के तहत राज्य का यह दायित्व है कि प्रत्येक नागरिक को न्याय तक समान और प्रभावी पहुंच सुनिश्चित की जाए। लेकिन यदि न्याय मिलने में दशकों का समय लगे, तो यह संवैधानिक प्रावधान केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है। वर्तमान स्थिति इसी ओर संकेत करती है। हालिया आंकड़ों के अनुसार मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में वर्तमान में 4,80,592 मामले लंबित हैं। अगस्त 2025 से कार्यरत न्यायाधीशों की संख्या औसतन 42-43 हो गई है, जो पिछले 20 वर्षों के औसत 30 न्यायाधीशों की तुलना में बेहतर स्थिति मानी जा रही है। इसका परिणाम यह रहा कि अगस्त 2025 से अब तक 84,455 नए मामले दर्ज हुए, जबकि 90,045 मामलों का निपटारा किया गया। इस अवधि में कुल 5,590 मामलों की शुद्ध कमी दर्ज की गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस गति के बावजूद लंबित मामलों को पूरी तरह खत्म करने में 39 से 40 वर्ष का समय लग सकता है। वर्ष 2024 में इंदौर बनाम कर्नाटक राज्य मामले में सुप्रीम कोर्ट ने न्याय तक पहुंच को लेकर कड़ी टिप्पणी की थी।

53 से बढ़ाकर 85 न्यायाधीश करने की अनुशंसा

हाई कोर्ट ने अपनी स्वीकृत क्षमता 53 से बढ़ाकर 85 न्यायाधीश करने की अनुशंसा की है, जो वर्तमान में केंद्र और राज्य सरकार के पास वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति के लिए लंबित है। लक्ष्य यह है कि अगले पांच वर्षों में लंबित मामलों को खत्म करने के लिए प्रतिमाह 22,000 से 23,000 मामलों का निपटारा किया जाए। इसके लिए कम से कम 75 कार्यरत न्यायाधीशों की तत्काल आवश्यकता है।

मेट्रो एंकर

23 फरवरी को कटनी के पुलिस परेड ग्राउंड पर होगी महिला अग्निवीर भर्ती

देशसेवा के लिए दौड़ेंगी मप्र-छग की 275 बेटियां

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

सेना की वर्दी का जुनून बेटियों में भी है। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की बेटियां देशसेवा की राह में मौके के लिए तैयारी कर रही हैं। 23 फरवरी को बेटियां कटनी के पुलिस परेड ग्राउंड पर दम दिखाएंगी। इसमें मध्य प्रदेश के भोपाल से सबसे ज्यादा बेटियां भर्ती में शामिल होंगी। मप्र से 206 और छत्तीसगढ़ से 69 बेटियां अग्निवीर बनने के लिए 23 फरवरी को मैदान में दौड़ेंगी। अधिकारियों के मुताबिक पहली बार इतनी अधिक संख्या में बेटियां सेना में जाने के लिए शारीरिक परीक्षा देंगी।

साढ़े सात से आठ मिनट में पूरी करनी होगी 1600 मीटर दौड़- पुरुष अभ्यर्थियों की तरह अग्निवीर के लिए शारीरिक परीक्षा महिला अभ्यर्थियों की भी होगी। महिला अभ्यर्थियों को 1600 मीटर दौड़ पूरी करने के लिए अधिक समय दिया जाएगा। साढ़े सात मिनट में दौड़ पूरी करने वाली महिला अभ्यर्थियों को ग्रुप-एक और साढ़े सात से आठ मिनट के बीच 1600 मीटर दौड़ पूरी करने वाली महिला अभ्यर्थियों को ग्रुप-दो में रखा जाएगा। पुरुष अभ्यर्थियों को दौड़ के बाद 10 फीट लंबी कूद और तीन फीट ऊंची कूद चरण भी पार करना होता है, लेकिन महिला अभ्यर्थियों को ऊंची-लंबी कूद नहीं करनी होगी।

चयनित महिला अभ्यर्थियों का होगा मेडिकल, फिर बनेगी मेरिट लिस्ट- शारीरिक परीक्षा में चयनित महिला अभ्यर्थियों का मेडिकल परीक्षण होगा। इसके बाद मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी। सभी महिला अभ्यर्थियों को ई-मेल के जरिए प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए हैं। सुबह छह बजे इन्हें शारीरिक परीक्षा स्थल पर रिपोर्टिंग करनी होगी। इसके बाद शारीरिक परीक्षा होगी।

आंकड़ों की नजर में-कहां से कितनी अभ्यर्थी होंगी शामिल

सेना भर्ती कार्यालय के अनुसार अभ्यर्थियों की संख्या इस प्रकार है...

मध्य प्रदेश: भोपाल- 86, जबलपुर- 44, महू- 46, ग्वालियर- 40

छत्तीसगढ़: रायपुर- 69

भर्ती निदेशक का आधिकारिक बयान

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की महिला अभ्यर्थियों की शारीरिक परीक्षा 23 फरवरी को होगी। कटनी में शारीरिक परीक्षा आयोजित होगी। मप्र में सबसे ज्यादा महिला अभ्यर्थी भोपाल से शामिल हो रही हैं, ग्वालियर एआरओ से भी 40 महिला अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगी। सभी को प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए हैं।

- कर्नल पंकज कुमार, निदेशक, सेना भर्ती कार्यालय।

समान बनाम विशेष अवसर

उच्च शिक्षा में समानता को लेकर बनाई गई नीतियां यदि स्वयं ही सवालों के घेरे में आ जाएं, तो लोकतंत्र और संविधान की भूमिका और भी अहम हो जाती है। यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) द्वारा 23 जनवरी को जारी किए गए 'उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने' संबंधी नियमों पर सुप्रीम कोर्ट की रोक इसी संवैधानिक सतर्कता का उदाहरण है। यह फैसला केवल एक प्रशासनिक आदेश पर रोक नहीं है, बल्कि नीति निर्माण की सोच और दिशा पर गंभीर टिप्पणी भी है। इन नियमों को लेकर याचिकाकर्ताओं ने जो आपत्तियां उठाईं, वे मामूली नहीं थीं। आरोप था कि समानता के नाम पर बनाए गए ये प्रावधान मनमाने हैं, भेदभाव को जन्म दे सकते हैं और संविधान के अनुच्छेद 14 में निहित समानता के मूल सिद्धांत के खिलाफ जाते हैं। साथ ही, इन्हें यूजीसी एक्ट, 1956 के दायरे से बाहर बताया गया। सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप इस बात का संकेत है कि 'उद्देश्य' चाहे कितना ही नेक क्यों न हो, 'उपाय' संवैधानिक मर्यादाओं से परे नहीं हो सकते। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस ज्योमाल्या बागची की पीठ ने सुनवाई के दौरान नियमों की अस्पष्ट भाषा पर गंभीर चिंता जताई। कोर्ट की यह टिप्पणी बेहद महत्वपूर्ण है कि किसी भी रेगुलेशन में अगर स्पष्टता नहीं है, तो उसका दुरुपयोग तय है। नीति यदि भ्रम पैदा करे, तो वह समाधान कम और समस्या अधिक बन जाती है। इसी आधार पर कोर्ट ने नए नियमों पर तत्काल रोक लगाते हुए 2012 के पुराने नियमों को बहाल करने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति बागची की टिप्पणी इस बहस के केंद्र में है। उन्होंने कहा कि रेगुलेशन में इस्तेमाल किए गए शब्द ऐसे हैं, जिनसे गलत व्याख्या और दुरुपयोग संभव है। उनका सवाल- जब पहले से ही तीन 'ई' मौजूद हैं, तो दो नए 'सी' जोड़ने की क्या आवश्यकता है- दरअसल नीति की जरूरत और औचित्य पर सीधा प्रहार है। यह टिप्पणी बताती है कि समानता को कोड, श्रेणी या लेबल में बांधने से पहले उसके सामाजिक असर को समझना जरूरी है। याचिकाकर्ताओं की ओर से वकील विष्णु शंकर जैन ने यूजीसी एक्ट की धारा 3(सी) को ही असंवैधानिक बताते हुए कहा कि यह सामान्य श्रेणी के छात्रों को पूर्वाग्रह के चश्मे से देखने पर आधारित है। इस पर चीफ जस्टिस ने स्पष्ट किया कि कोर्ट भावनाओं नहीं, बल्कि कानून और संविधान की कसौटी पर इन प्रावधानों की वैधता की जांच कर रहा है। अब 19 मार्च को होने वाली अगली सुनवाई केवल यूजीसी नियमों का भविष्य तय नहीं करेगी, बल्कि यह भी स्पष्ट करेगी कि समानता की परिभाषा क्या होगी- सबके लिए समान अवसर या कुछ के लिए विशेष व्यवस्था?

युवाओं को सक्षम मानव संसाधन में बदलने के लिए शिक्षा बजट में उदारता आज की जरूरत

गिरीश्वर मिश्र
हिंदी विवि वर्धा के पूर्व कुलपति

अंग्रेज़ों से स्वतंत्रता मिलने के समय भारत को एक पिछड़ा और तीसरी दुनिया का देश मान कर उसके लिए 'विकास' को जरूरी कदम ठहराया गया। इस क्रम में विकास को पश्चिमी देशों की स्थिति के अनुसार पहचाना और परिभाषित किया गया। इसके अनुरूप विकसित भारत के रूपांतरण के लिए आधुनिक भारत में शिक्षा की योजना में प्राकृतिक विज्ञानों और प्रौद्योगिकी पर ज़्यादा बल दिया जाता रहा। इसी बात को ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण या मनोवृत्ति (साइंटिफ़िक टेम्पर) अपनाने की बात भी की जाती रही है। इसके लिए अभियान भी चले। आज भी यह फैशन में है और बहुतों की नजर में भारतीयता या भारतीय ज्ञान संपदा वैज्ञानिक मनोभाव के लिए खतरा है। साथ ही समस्याओं के समाधान के लिए प्रौद्योगिकी के अध्ययन पर भी विशेष बल दिया गया। इसी क्रम में व्यावसायिक शिक्षा के विविध पक्षों (जैसे-कानून, चिकित्सा, प्रबंधन आदि) की ओर भी ध्यान दिया गया, अनेक संस्थाएं खड़ी हुई और अनेक उच्चस्तरीय शिक्षा संस्थानों की नींव पड़ी और इसका क्रम आगे भी जारी है।

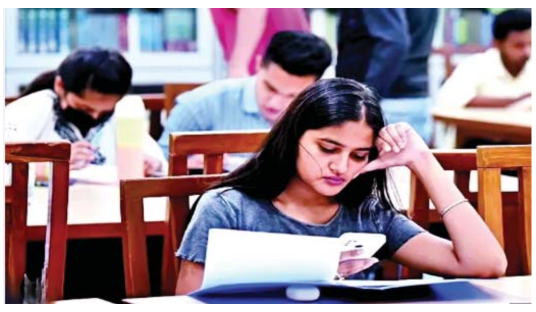

आम जनता में भी यही क्रम प्रचारित-प्रसारित होता रहा और यही छवि स्वीकार की गई। विज्ञान और प्रौद्योगिकी को आर्थिक दृष्टि से अधिक महत्वपूर्ण माना गया। इस कारण छात्रों और उनके अभिभावकों की रुझान भी इसी दिशा ओर बढ़ती रही। इसी वरीयता क्रम के साथ सरकार की ओर से शिक्षा के लिए संसाधन भी मुहैया किए जाते रहे। सामाजिक विज्ञानों और मानविकी पर अध्ययन-अनुसंधान के लिए कोई ख़ास तवज्जो नहीं रहा। इसके परिणामस्वरूप सामाजिक विज्ञानों के लिए आवश्यक सुविधा और अनुदान के लिए सहयोग भी अपेक्षाकृत कम मात्रा में मिलता रहा।

गौरतलब है कि समाज हर तरह के विकास की कसौटी है और लक्ष्य भी। अंततः सारी योजनाएं और आयोजन समाज की स्थिति को सुधारने और जीवन की गुणवत्ता सुधारने से जुड़ी होती हैं। सामाजिक परिवर्तन को किसी तरह नजरअंदाज़ नहीं किया जा सकता। हर समाज में निरंतरता और परिवर्तन दोनों होते रहते हैं। ऐसे में समाज की गतिविधि और उसकी संस्थाओं को समझना और उनमें सुधार की निरंतर जाँच पड़ताल होती रहनी चाहिए।

दरअसल, समाज का उद्विकास (इवोल्यूशन) होता है, यानी जो है उसमें से फिर पनपता है। बाहर से आरोपित होने पर वह आत्मसात नहीं हो पाता है। इसलिए बिना जाने-समझे परम्परागत ज्ञान की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। केवल प्राकृतिक विज्ञानों से ही सामाजिक विकास का लक्ष्य नहीं पूरा हो सकता। समाज भी कई स्तरों पर संचालित होता है। समुदाय, देश के अंदर, देश के बाहर, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले परिवर्तन एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं। इसलिए समाज विज्ञानों और मानविकी का अध्ययन आवश्यक है। समाज गतिशील संरचना है। इसलिए समय के साथ सहयोग और संघर्ष भी बढ़ते हैं। शिक्षा समाज की अत्यंत महत्वपूर्ण आवश्यकता होती है और भारत में अति प्राचीनकाल से इसकी समृद्ध परम्परा रही है। यहाँ विश्व प्रसिद्ध शिक्षा केंद्र और गुरुकुल रहे हैं। जब अंग्रेज़ आए थे तो उन्हें भारत में एक अच्छी शिक्षा मौजूद मिली थी। परंतु उन्होंने अपने शासन को स्थापित करने के लिए देश के मानस को बदलने की ज़रूरत महसूस की और ऐसी शिक्षा को यहाँ रोपा जो समाज को उसकी संस्कृति से काट दे। इसलिए औपनिवेशिक शिक्षा में अंग्रेजों ने अपने हित के अनुसार भारतीय शिक्षा को उखाड़ दिया था। वह हाशिए पर पहुँच गई और उसकी जगह पश्चिमी शिक्षा को स्थापित किया था। औपचारिक रूप से उसे आजीविका से भी जोड़ दिया गया। शिक्षा का माध्यम भी विदेशी भाषा अंग्रेज़ी को बना दिया गया। इसका अभ्यास लगभग दो सदियों में इस तरह सुदृढ़ किया गया कि भारतीय भाषाएँ अनौपचारिक प्रयोग का विषय बनकर रह गई और शिक्षा में आगे बढ़ने के लिए अंग्रेज़ी अनिवार्य हो गई। इस तरह विषय वस्तु, सिद्धांत और उसके अध्ययन और शोध के लिए माध्यम के रूप में अंग्रेजी का प्रचार-प्रसार लगातार बढ़ता गया। इस प्रक्रिया ने अंग्रेजी की प्रतिष्ठा को ठोस आधार प्रदान किया। इसने लोगों की सांस्कृतिक अभिरुचि और सांस्कृतिक ज्ञान दोनों को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया। उसी की व्यवस्था में भारतीय शिक्षा जकड़ती चली गई।

इस पाश्चात्य मॉडल की शिक्षा को वैश्विक मान लिया गया और उसी रूप में इसके प्रति हमारी श्रद्धा बनती गई जबकि सभी विकसित देशों में शिक्षा का आयोजन स्वाभाविक रूप से उनकी अपनी भाषा और उनकी अपनी संस्कृति से जुड़ कर ही किया जाता रहा। भारत द्वारा स्वीकार की गई नई शिक्षानीति समावेशी दृष्टि अपनाते हुए देश की सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता को बौद्धिक और सामाजिक संसाधन की तरह देखती है। इसके अंतर्गत स्थानीय और राष्ट्रीय परिदृश्य को स्थान दिया गया है। यह भी एक महत्वपूर्ण संकल्प किया गया है कि मातृभाषाओं को शिक्षा प्रक्रिया के केंद्र में लाया गया है। देश में संपर्क, सौहार्द और समरसता लाने के लिए त्रिभाषा सूत्र को अमल में लाने के लिए यत्न किया जा रहा है। साथ ही शिक्षा नीति में भारत की विशाल सांस्कृतिक विरासत के साथ सक्रिय संवाद स्थापित करने का अधिकाधिक अवसर बनाया गया है। इन बातों को ध्यान में रखकर नए बजट में शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। अब तक शिक्षा के लिए नगण्य प्रावधान होता रहा है। युवा भारत को कुशल और सक्षम मानव संसाधन में रूपांतरित करने के लिए उदारतापूर्वक संसाधन उपलब्ध कराने होंगे। आशा है भारत सरकार इस दिशा में ज़रूरी व्यवस्था करेगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

आर्थिक सर्वेक्षण 2025 - 26

आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भारत के विकास का नया अध्याय

विनोद कुमार सिंह
स्तंभकार

भारत की आर्थिक विकास यात्रा केवल आँकड़ों और बजट घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि उस राष्ट्र की जीवंत कथा है जो निरंतर संघर्ष,नवाचार और आत्मविश्वास के सहारे वैश्विक मंच पर अपनी पहचान को मजबूत करता जा रहा है।वित्त मंत्रालय द्वारा जारी भारतीय आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 इसी विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज़ है,जो न केवल देश की वर्तमान आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन करता है, बल्कि भविष्य की संभावनाओं, चुनौतियों और अवसरों की स्पष्ट रूपरेखा भी प्रस्तुत करता है।आर्थिक सर्वेक्षण किसी भी देश के लिए एक दर्पण की तरह होता है, जिसमें बीते वर्ष की उपलब्धियाँ, आर्थिक सुधारों की दिशा और आने वाले वर्षों की विकास रणनीति प्रतिबिंबित होती है।वर्ष 2025-26 का आर्थिक सर्वेक्षण भारत की उस परिवर्तनशील तस्वीर को सामने लाता है,जहाँ देश तेजी से विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी स्थिति को सुदृढ़ कर रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था ने बीते वर्षों में जिस प्रकार वैश्विक संकटों, महामारी के प्रभावों और अंतरराष्ट्रीय अस्थिरताओं के बावजूद स्थिरता बनाए रखी है,वह अपने आप में प्रेरणादायी है। सर्वेक्षण बताता है कि भारत अब केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक विकास का एक प्रमुख इंजन बनता जा रहा है। देश की आर्थिक वृद्धि दर में निरंतर मजबूती देखी गई है।विनिर्माण, सेवा क्षेत्र,कृषि,डिजिटल अर्थव्यवस्था और बुनियादी ढाँचे में हो रहे तीव्र निवेश ने भारत की विकास गति को नई ऊर्जा दी है। आर्थिक सर्वेक्षण यह संकेत देता है कि भारत आने वाले वर्षों में विश्व की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बना रहेगा।

इस सर्वेक्षण में सरकार की नीतियों और सुधारों का विशेष उल्लेख है, जिन्होंने निवेश वातावरण को अधिक अनुकूल बनाया है।'मेक इन इंडिया','आत्मनिर्भर भारत', 'डिजिटल इंडिया'और'स्टार्टअप इंडिया' .जैसी पहलों ने भारत को नवाचार और उद्यमिता का वैश्विक केंद्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।भारत की अर्थव्यवस्था पिछले कई वर्षों से वैश्विक मंदी और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के बीच भी मजबूत गति से आगे बढ़ रही है।वित्त मंत्रालय द्वारा 29 जनवरी 2026 को संसद में प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 देश की आर्थिक प्रगति का विश्लेषण करता है और भविष्य के संभावित विकास मार्ग को स्पष्ट करता है।यह दस्तावेज़ न केवल आंकड़ों का संकलन है,बल्कि नीति निर्धारण और रणनीतिक सोच का मार्गदर्शक भी है।मैने अपने इस आलेख में मुख्यतः जी डी पी विकास दर, प्रमुख आर्थिक सेक्टरों के योगदान और सतत विकास की चुनौतियों पर चर्चा की जा रही है।भारत की जी डी पी विकास दर एक सकारात्मक परिदृश्य प्रस्तुत करती है।सर्वेक्षण और सरकारी अनुमानों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वास्तविक विकास दर करीब 7.4% रहने का अनुमान है,जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक गतिशीलता दर्शाता है।यह अनुमान सांख्यिकी मंत्रालय की प्रथम अग्रिम अनुमान रिपोर्ट से लिया गया है,जिसमें जी डी पी वृद्धि दर को 7.4% बताया गया है।इससे पहले कई अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों ने 6.3% से 6.8% की रेंज का अनुमान जताया था,लेकिन वास्तविक आंकड़ों और आर्थिक गतिविधियों के आधार पर यह रफ्तार बढ़ी है।इस 7.4% वृद्धि दर का अर्थ यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की प्रमुख बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी बनी हुई है,खासकर जब अन्य उभरती और विकसित अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि दर अपेक्षाकृत कम है।यह वृद्धि घरेलू खपत, निवेश,विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की मजबूती के कारण संभव हुई है।आर्थिक ढाँचे की दृष्टि से जी डी पी की कुल वृद्धि को प्रभावित करने वाले प्रमुख सेक्टरों के आंकड़े आर्थिक सर्वेक्षण और सांख्यिकी मंत्रालय की रिपोर्ट पर आधारित हैं। इनके माध्यम से यह स्पष्ट होता है कि भारत की आर्थिक वृद्धि केन्द्रित और संतुलित है, न कि केवल एक या दो क्षेत्रों तक सीमित।सेवा क्षेत्र भारत की अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण स्तंभ है।सांख्यिकी मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में सेवाओं का योगदान जी डी पी में सबसे ऊँचा रहा और यह क्षेत्र लगभग 9.9% की वृद्धि दर से आगे बढ़ा।इसमें वित्तीय सेवाएँ, रियल एस्टेट,पेशेवर सेवाएँ और प्रशासनिक सेवाएँ शामिल हैं। व्यापार,होटल,परिवहन और संचार जैसे सेवा क्षेत्रों ने भी 7.5% से अधिक वृद्धि दर दर्ज की।यह उच्च वृद्धि इस बात को दर्शाती है कि भारत में घरेलू मांग मजबूत है और उपभोक्ता खर्च तथा डिजिटल और वित्तीय सेवाओं के उपयोग में वृद्धि ने अर्थव्यवस्था की धुरी को और मजबूत किया है।डिजिटल अर्थव्यवस्था भारत की आर्थिक शक्ति का नया आधार बन चुकी है।यूपीआई,डिजिटल भुगतान, ई-गवर्नेंस और स्टार्टअप संस्कृति ने भारत को तकनीकी नेतृत्व की ओर अग्रसर किया है।डिजिटल सेवाओं का विस्तार केवल शहरों तक सीमित नहीं रहा,बल्कि ग्रामीण भारत भी डिजिटल परिवर्तन की मुख्यधारा से जुड़ रहा है।भारत में विनिर्माण और निर्माण क्षेत्रों का विकास भी संतोषजनक रहा है। इन दोनों सेक्टरों का संयुक्त वृद्धि दर लगभग 7.0% दर्ज किया गया है,जिससे यह स्पष्ट होता है कि भारत की उत्पाद-आधारित वृद्धि में निरंतर सुधार हो रहा है। इसका विश्लेषण यह दिखाता है कि प्रधानमंत्री 'मेक इन इंडिया' पहल और उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजनाओं का असर वास्तविक अर्थव्यवस्था में दिखाई दे रहा है। इन पहलों ने घरेलू विनिर्माण को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाया है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत को मजबूत स्थिति प्रदान की है।निर्माण क्षेत्र में भी तेज़ गति से विस्तार हुआ है।

यह सर्वेक्षण केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि एक सुधरे हुए, समावेशी और दीर्घकालिक विकास मार्ग का मार्गदर्शक है,जो आर्थिक निर्णयों, बजट नीतियों, निवेश योजनाओं और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के लिए आधार प्रदान करता है।आज भारत सफलता के पथ पर अग्रसर है,एक ऐसा भारत जो आत्मनिर्भर, प्रगतिशील और वैश्विक चुनौतियों के प्रति सक्षम है। विकसित भारत का सपना अब केवल लक्ष्य नहीं,बल्कि ठोस प्रयासों और निरंतर प्रगति के माध्यम से साकार होता दिखाई दे रहा है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

एक्सपर्ट ने चेताया, सर्दी और जुकाम में कभी न लें एंटीबायोटिक दवाएं

जब भी सर्दी-जुकाम लगता है लोग डॉक्टर के पास जाने के बजाय मेडिकल स्टोर से खुद ही एंटीबायोटिक दवाएं खरीदकर खाना शुरू कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह छोटी सी दवा भविष्य में आपकी जान के लिए बड़ा खतरा बन सकती है? अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के फार्माकोलॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर ज़िया उर रहमान ने इस विषय पर गंभीर चिंता जताई है। उनका मानना है कि वायरल संक्रमण में एंटीबायोटिक का सेवन न केवल बेअसर है, बल्कि यह शरीर के सुरक्षा तंत्र को भी कमजोर कर देता है। प्रोफेसर रहमान ने कहा कि सर्दी-जुकाम, फ्लू, नाक बहना, गले में खराश, एक्यूट साइनुसाइटिस, एक्यूट ब्रोंकाइटिस, कान या आंखों का संक्रमण आम बात है। लेकिन ऐसे मामलों में बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक लेना बिल्कुल सही नहीं है। उन्होंने बताया कि एंटीबायोटिक दवाएं केवल बैक्टीरिया को खत्म करने के लिए बनाई जाती हैं, जबकि सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसी ज्यादातर बीमारियां वायरल होती हैं। वायरस और बैक्टीरिया की बनावट पूरी तरह अलग होती है। एंटीबायोटिक्स बैक्टीरिया की सेल वॉल, सेल मेम्ब्रेन और उसके आंतरिक पोषक तंत्र को नष्ट करने के लिए डिज़ाइन की जाती हैं, जबकि वायरस पर इनका कोई असर नहीं होता। इसके लिए एंटीवायरल दवाओं की जरूरत होती है, न कि एंटीबायोटिक्स की।

अधिकतर वायरल बीमारियां सेल्फ-लिमिटिंग होती हैं, यानी 5 से 6 दिनों में अपने-आप ठीक हो जाती हैं। ऐसे में एंटीबायोटिक लेने की कोई आवश्यकता नहीं होती। यदि संक्रमण लंबे समय तक बना रहे या लक्षण गंभीर हों, तो डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए। बाजार से खुद ही एंटीबायोटिक खरीदकर खाने से सबसे बड़ा खतरा एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस का होता है। एंटीबायोटिक्स के ओवरयूज और मिसयूज के कारण बैक्टीरिया ठीठ हो जाते हैं। ये अपने शरीर के चारों और ठोस कवच का आवरण बना लेता है जिसके कारण दवाई के कण बैक्टीरिया के अंदर प्रवेश ही नहीं कर पाते। इस तरह इन दवाओं के खिलाफ मजबूत हो जाते हैं, जिससे भविष्य में गंभीर संक्रमणों का इलाज मुश्किल हो जाता है। यह समस्या अब राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक गंभीर चुनौती बन चुकी है।

ख़त्म होते हैं गुड बैक्टीरिया: प्रोफेसर रहमान ने चेतावनी दी कि एंटीबायोटिक का गलत इस्तेमाल शरीर में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया (गुड बैक्टीरिया) को भी खत्म कर देता है, जो हमारी सेहत के लिए जरूरी होते हैं। इसके कारण सुपर इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है, जैसे फंगल इंफेक्शन या अन्य खतरनाक संक्रमण। अगर बैक्टीरिया खून में फैल जाएं (सिस्टेमिक या ब्लड इंफेक्शन), तो यह स्थिति जानलेवा भी साबित हो सकती है।

सुविचार

दिल और नसीब की कभी नही बनती, क्योंकि जो दिल में होता है वो नसीब में नहीं...

–अज्ञात

निशाना

हम तोड़ कर लोक-तंत्र..!

सुखेन्द्र दशरथ साहू

बनाकर लोक तंत्र वो अमर हो गये,
तोड़ रहे लोक तंत्र हम कहाँ खो गये,
आज़ादी हमें मिली सजी हुई थाल में,
हम काट रहे फसल आज जो वे बो गये,
सब कुछ मिला मगर हमें चैन न मिला,
घोड़े बेच गहरी नींद हम हैं सो गये,
जो चादर मिली है साफ रखना संभाल के,
कितने जतन से मैल इसका वे धो गये,
देश है तो हम हैं दोस्त यह याद है रखना
इस बात से चूके तो न लौटोगे जो गये।

यूजर अलर्ट

डेटिंग ऐप के इस्तेमाल में सावधानी जरूरी साइबर अटैक के साथ हो सकता है डेटा चोरी

साइबर अटैक का नया मामला सामने आया है। लोकप्रिय डेटिंग ऐप्स बम्बल और टिंडर की पैरेंट कंपनी Match Group के साथ-साथ डेटा प्रोवाइडर CrunchBase और Panera Bread पर साइबर हमला हुआ है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, ये बड़ी कंपनियां साइबर हमले का शिकार हुई हैं। हमलावरों ने इनके डेटा पर सेंध लगाई है। Panera Bread ने भी इस घटना की पुष्टि की है और अधिकारियों को सूचित कर दिया है। कंपनी के मुताबिक, इस डेटा ब्रीच में सिर्फ कॉन्टैक्ट डिटेल ही प्रभावित हुई हैं। सभी कंपनियों ने बताया कि साइबर हमलावर यूजर्स की अधिक डिटेल्स क नहीं पहुंच पाए हैं।

Bumble के अनुसार, हैकर्स उनके सदस्यों के डेटाबेस, अकाउंट, डायरेक्ट मैसेज या प्रोफाइल तक नहीं पहुंच पाए। वहीं, Tinder की पैरेंट कंपनी Match ने बताया कि सीमित मात्रा में ही यूजर का डेटा प्रभावित हुआ है। हालांकि, अभी इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि हैकर्स यूजर्स के लॉग-इन क्रेडेंशियल, वित्तीय जानकारी या निजी बातचीत तक पहुंच पाए हैं या नहीं। CrunchBase के प्रवक्ता ने बताया कि उनके कॉर्पोरेट नेटवर्क पर मौजूद कुछ डॉक्यूमेंट्स इस साइबर हमले में प्रभावित हुए थे। लेकिन उन्होंने इसे कंट्रोल कर लिया।

कंपनियों के लिए बढ़ गई चिंता: यह साइबर हमले उन कंपनियों के लिए चिंता का विषय बन गए हैं, जो ऑनलाइन डेटा मैनेज करती हैं। ऐसे हमलों से यूजर्स की निजी जानकारी की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। यह घटना बताती है कि ऑनलाइन सुरक्षा कितनी जरूरी है। एक बड़े साइबर हमले में कई लोगों का डेटा लीक होता है। साइबर खतरे बहुत तेजी बढ़ और बदल रहे हैं, क्योंकि हमलावर ज्यादा स्मार्ट होते जा रहे हैं और दुनिया भर में कनेक्टेड डिवाइस की संख्या लगातार बढ़ रही है।

बढ़ गए साइबर अटैक: साइबर हमलावर लोगों के साथ ठगी करने और डेटा चुराने के लिए नए तरीके निकालते हैं। इस कारण लोगों को इससे बचने के लिए कई बातों का ध्यान रखने के लिए कहा जाता है। अब साइबर हमलावर लोगों के अलावा बड़ी-बड़ी कंपनियों को भी अपना निशाना बना रहे हैं ताकि वे अधिक डेटा को एक्सेस कर पाएंगे। इस कारण कंपनियों ने भी सुरक्षा को बढ़ा दिया है और ऐसे हमलावरों को रोकने के लिए नई स्ट्रेटजी पर काम कर रही हैं।

न्यू डिस्कवरी

वैज्ञानिकों ने तलाशा पृथ्वी की तरह दिखने वाला नया ग्रह, तारे के लगा रहा है चक्कर

वैज्ञानिकों ने एक ऐसी दुनिया की खोज की है, जो बिल्कुल हमारी पृथ्वी जैसी नजर आती है। यह नया ग्रह हमसे करीब 146 प्रकाश वर्ष दूर स्थित है। वैज्ञानिकों ने इसे 'HD 137010 b' नाम दिया है। यह ग्रह न केवल आकार में पृथ्वी के बराबर है, बल्कि इसकी स्थितियां हमारे पड़ोसी ग्रह मंगल से काफी मिलती-जुलती हैं। इस महत्वपूर्ण खोज को ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, अमेरिका और डेनमार्क के वैज्ञानिकों की एक इंटरनेशनल टीम ने अंजाम दिया है। इस टीम ने नासा के केपलर स्पेस टेलीस्कोप के 2017 के पुराने डेटा का बारीकी से एनालिसिस किया। इस रिसर्च में यह बात सामने आई है कि यह ग्रह अपने सूर्य जैसे दिखने वाले तारे का चक्कर ठीक वैसे ही काट रहा है, जैसे पृथ्वी लगाती है।

यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न क्वींसलैंड की रिसर्चर डॉ. चेल्सी हुआंग के मुताबिक, इस ग्रह का ऑर्बिट करीब 355 दिनों का है। यह समय पृथ्वी के एक साल के बहुत करीब है। सबसे रोमांचक बात यह है कि इस ग्रह के अपने तारे के 'हैबिटेबल जोन' यानी रहने योग्य क्षेत्र में होने की 50 प्रतिशत संभावना है। हैबिटेबल जोन वह क्षेत्र होता है जहां तापमान न तो बहुत ज्यादा होता है और न ही बहुत कम। हालांकि, यहां एक बड़ी चुनौती भी है। जिस तारे की परिक्रमा यह ग्रह कर रहा है, वह हमारे सूर्य की तुलना में थोड़ा ठंडा और मंद है। इस वजह से ग्रह की सतह का तापमान -70 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह एक 'सुपर स्नोबॉल' हो सकता है. यानी एक ऐसी दुनिया जो पूरी तरह बर्फ से ढकी हो और वहां भारी मात्रा में पानी जमा हुआ हो।

इस धरती जैसे ग्रह की खोज कैसे हुई?: इस ग्रह की खोज की कहानी भी किसी फिल्म से कम नहीं है। इसकी शुरुआती आहट सबसे पहले 'सिटिजन साइंटिस्ट्स' की एक टीम ने पकड़ी थी। इसमें डॉ. अलेक्जेंडर वेनर भी शामिल थे, जो उस समय महज एक हाई स्कूल के छात्र थे। उन्होंने 'प्लैनेट हंटर्स' प्रोजेक्ट के जरिए इस ग्रह के धुंधले सिग्नल को पहचाना था। बाद में उन्होंने इसी विषय पर अपनी पीएचडी पूरी की और इस ऐतिहासिक खोज के मुख्य लेखक बने।

वैज्ञानिकों के लिए यह ग्रह इसलिए भी खास है क्योंकि यह हमारे सौर मंडल के काफी करीब है। इससे पहले खोजा गया पृथ्वी जैसा ग्रह 'केपलर-186f' इससे चार गुना ज्यादा दूर और 20 गुना ज्यादा धुंधला है। HD 137010 b की चमक इतनी है कि अगली पीढ़ी के टेलीस्कोप की मदद से इस पर और गहराई से रिसर्च की जा सकती है। भले ही यह ग्रह अंतरिक्ष के नक्शे पर हमारे बहुत करीब दिख रहा हो, लेकिन वहां पहुंचना आज की तकनीक के हिसाब से नामुमकिन जैसा है। स्विनबर्न यूनिवर्सिटी की एस्ट्रोफिजिसिस्ट डॉ. सारा वेब का कहना है कि अगर हम अपनी मौजूदा सबसे तेज रफ्तार से भी यात्रा शुरू करें, तो वहां पहुंचने में लाखों साल लग जाएंगे। अभी इस ग्रह को 'कैंडिडेट प्लैनेट' की श्रेणी में रखा गया है।

न्यूज विंडो

ओडीसी नृत्यांगना सुश्री लावण्या घोष ने दी मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति

इटारसी। स्पीक मैके चेप्टर इटारसी द्वारा जीनियस प्लानेट में दिल्ली से पधारी ओडीसी नृत्यांगना सुश्री लावण्या घोष ने मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का आगाज सुश्री लावण्या घोष ने सरस्वती पूजन दीप प्रज्वलन से किया। कार्यक्रम उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत स्कूल संचालक मो जाफर सिद्दीकी एवं प्राचार्य मनीता सिद्दीकी द्वारा किया गया। लावण्या घोष ने विद्यार्थियों को ओडीसी की मुद्राओं में जानवरो की मुद्राओं का ज्ञान बच्चों के गेम्स खिलवाते हुए दिया। साथ ही विद्यार्थियों को ओडीसी नृत्य की बारीकी और खूबसूरती से परिचय कराया। विद्यार्थियों को नृत्य में बनाई जाने वाली अलग अलग मुद्राएं सिखाई। साथ ही घोष जी ने नारायण वंदना गुरु वंदना और कालिया मर्दन आदि पर अपने नृत्य की प्रस्तुति से उपस्थित बच्चों, टीचर्स, पेरेंट्स और अतिथियों का मन मोह लिया। इस अवसर पर स्पीक मैके के चैप्टर इटारसी के अध्यक्ष हेमंत शुक्ला मधु भैया, समन्वयक सुनील बाजपेई, स्कूल के अभिभावक एवं स्कूल स्टाफ उपस्थित रहा। स्कूल प्रबंधन एवं अतिथियों द्वारा सुश्री लावन्या घोष को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

बारिश से चना, मसूर की फसल हुई आड़ी, किसानों को हुआ नुकसान

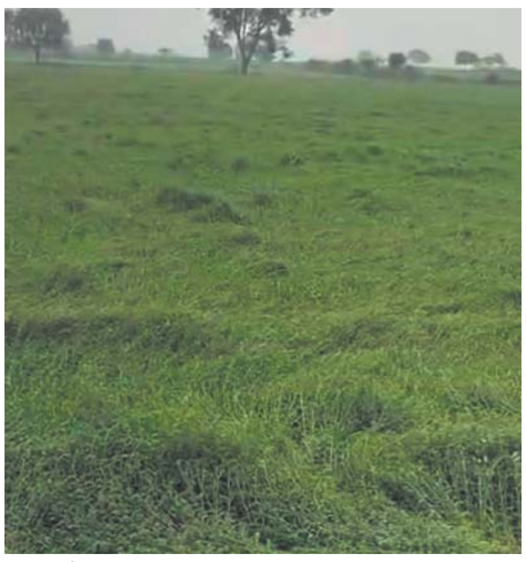

गंजबासौदा। विगत दिनों हुई बारिश से किसानों की फसलों को काफी नुकसान हुआ है। तेज हवा पानी से चना और मसूर की फसल आड़ी हो गई है। जिसके किसानों को अच्छी उपज निकलने की उम्मीद कम हो गई है। पड़रिया के किसान पिंकू दांगी ने बताया कि चना और मसूर की फसल आड़ी हो जाने से उस पौधे में दाना छोटा पड़ कर रह जाएगा जिससे उपज पर असर पड़ेगा। जिन खेतों में चना, मसूर की फसल अच्छी थी और जिन फसलों की लंबाई ज्यादा बड़ी थी वह खेतों में बिछ गई है। वहीं बारिश से कई किसानों की फसलों की नुकसान हुआ है तो कई किसानों को इसका लाभ हुआ है।

जनसुनवाई: सीएमओ ने समस्याएं सुन तत्काल कराया निराकरण

नर्मदापुरम। नगर में आयोजित जनसुनवाई में मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले द्वारा जनसुनवाई की गई। इस दौरान चौक नाली की सफाई कराने एवं राशन कार्ड में नाम समर्पित करने नागरिक ने आवेदन दिया। साथ ही पेयजल संबंधी समस्या, सफाई आदि की समस्याओं का तत्काल निराकरण कराया गया। जनसुनवाई के दौरान पार्षद रेखा यादव, पार्षद बिंदिया मांझी, पार्षद प्रतिनिधि पूनम मेषकर उपस्थित रहे। ध्यान रहे कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर प्रति गुरूवार नगरपालिका कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित की जाती है। जहां नागरिकों की समस्या का त्वरित समाधान हो जाता है। नागरिकों ने नपाध्यक्ष और सीएमओ को धन्यवाद दिया।

सोहागपुर विधायक ने सड़क-पुल परियोजना का किया भूमिपूजन

नर्मदापुरम। लोक निर्माण से लोक कल्याण के संकल्प को साकार करते हुए सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह ने गुरुवार को विकासखंड अंतर्गत ग्राम सूकरी से मनकवाड़ा तक सड़क एवं पुल निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस महत्वपूर्ण परियोजना की कुल लागत 254 लाख रुपये है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक सिंह ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सड़क और पुल जैसी आधारभूत सुविधाएं जरूरी हैं। इससे सूकरी, मनकवाड़ा और आसपास के गांवों के लोगों को आवागमन में आसानी होगी तथा सामाजिक-आर्थिक प्रगति को बल मिलेगा। ग्रामीणों ने इस सौगात के लिए विधायक के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम में आकाश रघुवंशी (उपाध्यक्ष), मंडल अध्यक्ष अश्विनी सरोज, प्रदीप पटेल, रामबाबू रघुवंशी, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशवंत पटेल, जिला मंत्री किसान मोर्चा भगवान सिंह पटेल, रामनारायण पालीवाल, ललित पूर्वीया सहित जनप्रतिनिधि, ग्राम पंचायत पदाधिकारी, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सड़क पर फुल ऑन तमाशा: प्रशासन और स्कूल प्रबंधन आया हरकत में

फेयरवेल के नाम पर छात्रों का हुड़दंग गाड़ी के बोनट पर चढ़कर किया डांस

नर्मदापुरम । दोपहर मेट्रो

फेयरवेल के नाम पर नर्मदापुरम के सिवनी मालवा क्षेत्र के सांदीपनी विद्यालय के कक्षा 12 वी के विद्यार्थियों ने बुधवार को शहर में जमकर हुडदंग किया। खुली जीप में तेज डीजे बजाते हुए सड़कों पर घूमते रहे। छात्राएं तो वाहन के बोनट पर बैठकर डांस करती रही। प्रबंधन इसे अनदेखा करता रहा लेकिन नागरिकों ने विरोध कर दिया। मामला बिगड़ता देखकर स्कूल प्रबंधन ने आनन- फानन में पार्टी मनाने वाले विद्यार्थियों को नोटिस देकर उनके प्रवेश पत्र जमा कर लिए हैं।

स्कूल प्रबंधन के मुताबिक सांदीपनी विद्यालय के कक्षा 11 की विद्यार्थियों ने कक्षा 12 वीं के 40 छात्र छात्राओं को फेयरवेल पार्टी देने के लिए तैयारी की थी। स्कूल के मैदान पर कार्यक्रम होना था। इसमें कक्षा 12 वीं के छात्र, छात्राओं ने स्कूल में प्रवेश करने के लिए अलग से कार्यक्रम बना लिया। इसकी जानकारी विद्यालय को नहीं दी। इस दौरान उन्होंने सड़कों पर जमकर हुडदंग किया। डांस के साथ डीजे का उपयोग भी किया। हुड़दंग करते हुए विद्यार्थी स्कूल में प्रवेश कर मैदान पर मस्ती करने लगे। प्रबंधन ने कार्यक्रम को निरस्त कर दिया। कक्षा 12 वीं के 40 छात्र, छात्राओं को नोटिस जारी किए गए हैं। कक्षा 12 वीं के छात्र, छात्राओं ने फेयरवेल के नाम पर यातायात के नियमों की धज्जियां उड़ा दी। खुली जीप में स्टंट किए। छात्राएं भी कार के बोनट पर बैठकर सड़क पर घूमती रही। फेयरवेल के नाम पर सड़कों पर स्टंट करने पर प्रशासन सक्रिय हो गया है। पार्टी करने की अनुमति कहां से मिली। इसकी जांच हो रही है। आयोजन विद्यार्थियों ने किया किसी और ने। इसका पता कर रहे हैं। इसके बाद कार्रवाई करेंगे।

तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा, कार्रवाई की मांग की

फेयरवेल के नाम पर सड़क पर स्टंटबाजी व फूहड़ता करने के मामले में पार्षद ईश्वर जमींदार व लोगों ने कलेक्टर के नाम तहसीलदार नितिन कुमार झोड़ को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने ज्ञापन में मांग की है कि आरोपियों ने यातायात नियमों का उल्लंघन भी किया है। राहगीरों, नागरिकों एवं अन्य वाहनों के चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस घटना का वीडियो भी वायरल हुआ है। ज्ञापन में बताया कि यह घटना केवल अनुशासनहीनता तक सीमित नहीं है, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला है। यदि कोई बड़ा हादसा हो जाता, तो जिम्मेदारी तय करना कठिन हो जाता। नियमों का उल्लंघन करने वाले विद्यार्थियों, संबंधित वाहन चालकों एवं वाहन मालिकों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। विद्यालय प्रबंधन की भूमिका की जांच भी कराई जाए। इस दौरान कमलेश लोवंशी, दिनेश कुशवाहा, अनिल लोवंशी, दीपेश, प्रदीप, हेमंत लोवंशी आदि मौजूद रहे।

मल्टी-स्पेशियलिटी व ESIC अस्पताल की सांसद ने उठाई मांग

नर्मदापुरम । दोपहर मेट्रो

राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान मध्य प्रदेश से सांसद माया नारोलिया ने नर्मदापुरम जिले की जर्जर स्वास्थ्य अवसंरचना पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने सदन के माध्यम से केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित किया कि बढ़ती जनसंख्या के सामने जिले की चिकित्सा सुविधाएं नाकाफी हैं।सांसद नारोलिया ने इलाज के लिए होने वाले पलायन पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि नर्मदापुरम के लोग गंभीर बीमारियों, विशेषज्ञ सलाह या इमरजेंसी में भोपाल या अन्य शहरों की ओर रुख करने को मजबूर हैं। इससे न केवल आर्थिक बोझ पड़ता है, बल्कि समय पर इलाज न मिलने से मरीजों की जान पर बन आती है। जिले के हजारों संगठित-असंगठित क्षेत्र के ईएसआईसी लाभार्थी श्रमिकों का विशेष जिक्र करते हुए उन्होंने श्रम मंत्रालय से तत्काल ईएसआईसी अस्पताल स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू करने का आग्रह किया। नर्मदापुरम में ईएसआईसी अस्पताल न होने से श्रमिक बुनियादी चिकित्सा लाभों से वंचित हैं। सांसद ने केंद्र से नर्मदापुरम में बहु-विशेषता (मल्टी-स्पेशियलिटी) सरकारी अस्पताल की स्वीकृति और बजट प्रावधान की मांग की। साथ ही, राज्य सरकार के साथ मिलकर भूमि आवंटन व प्रशासनिक बाधाओं को जल्द दूर करने की अपील की।

छिंदवाड़ा में गाजर का हलवा खाने से 11 लोगों की तबीयत बिगड़ी

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

छिंदवाड़ा के अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में गाजर का हलवा खाने से 11 लोगों की तबीयत बिगड़ गई है। महालक्ष्मी बीकानेर स्वीट्स से खरीदे गए हलवे को खाने के बाद सभी को पेट दर्द और उल्टी की शिकायत हुई। आनन-फानन में उन्हें गुरुवार सुबह अमरवाड़ा अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत को देखते हुए 2 लोगों को छिंदवाड़ा रेफर कर दिया गया है। वहीं 5 लोगों को सीधे छिंदवाड़ा के परासिया रो स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से एक मरीज की हालत ज्यादा खराब बताई जा रही है, हालांकि बाकी सभी खतरे से बाहर हैं।

सीईओ ने माखननगर की ग्राम पंचायतों का किया औचक निरीक्षण

खामियों को 15 दिन में करें दूर

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले में जनहितकारी योजनाओं की जमीनी स्तर पर लगातार मॉनिटरिंग के तहत सीईओ जिला पंचायत हिमांशु जैन ने माखननगर विकासखंड की ग्राम पंचायतों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सांगाखेड़ा कला ग्राम पंचायत पहुंचे श्री जैन ने कार्यालय, शौचालय की साफ-सफाई, ई-केवाईसी, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन और करारोपण जैसे दस्तावेजों की गहन समीक्षा की।

निरीक्षण में मिलीं कमियों को 15 दिनों में दूर करने के निर्देश दिए गए। पैदल भ्रमण कर उन्होंने साफ-सफाई, नाली व्यवस्था और करारोपण पर जोर दिया। दुकानदारों से चर्चा कर करारोपण के लाभ बताए। साथ ही, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण किया, जहां छात्रों को एआई आधारित शिक्षा अपनाने और इसके माध्यम से सुधार लाने के टिप्स दिए। गुड़ला ग्राम पंचायत में नर्मदा नदी किनारे प्रसिद्ध सूरजकुंड का दौरा कर पौधरोपण किया। जैन ने साफ-सफाई, घाट की सुंदरता और अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। आजीविका मिशन के सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र माखननगर में महिलाओं से भविष्य की आजीविका मजबूत करने पर चर्चा की। विकासखंड स्तर के खेल उत्सव में बच्चों के साथ क्रिकेट खेला और उनका उत्साह बढ़ाया।निरीक्षण में परियोजना अधिकारी शैलेश उइके, उमेश यादव, उपयंत्री मुकेश बुवाड़े, ग्राम पंचायत सचिव सहित अन्य उपस्थित रहे।

हिवरा सेनाड़वार गांव में जंगली सुअरों का आतंक, किसान हो रहे परेशान

पांढुर्णा। दोपहर मेट्रो

हिवरा सेनाड़वार गांव में जंगली सुअरों का आतंक बढ़ गया है। देर रात किसान रविंद्र बंदे के खेत में ढाई एकड़ चने की फसल बर्बाद हो गई। किसान इस समस्या से बेहद परेशान हैं। किसानों के अनुसार, लगभग 20 से 25 जंगली सुअरों का एक झुंड रात के समय खेतों में घुसकर फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है। इस कारण क्षेत्र के किसान दहशत में हैं। अपनी फसलों को लेकर चिंतित है। हिवरा सेनाड़वार गांव के आसपास घना जंगल होने के कारण जंगली जानवरों का रिहायशी इलाकों में आना-जाना लगा रहता है। जंगली सुअरों के साथ-साथ इस क्षेत्र में तेंदुए की मौजूदगी भी दर्ज की गई है। प्रभावित किसानों ने वन विभाग और राजस्व विभाग से क्षेत्र का सर्वे कराकर शासन से उचित मुआवजे की मांग की है।

आउटसोर्स कर्मचारियों ने बंद किया काम

नीमच। दोपहर मेट्रो

जिले के वीरेंद्र कुमार सकलेचा शासकीय मेडिकल कॉलेज में व्यवस्थाएं ठप हो गई हैं। दो महीने से वेतन का इंतजार कर रहे 78 आउटसोर्स कर्मचारियों ने काम बंद कर दिया। हैदराबाद की कंपनी एजाइल सिक्योरिटी फोर्स प्राइवेट लिमिटेड की मनमानी के खिलाफ महिला सफाईकर्मियों और सुरक्षा गार्डों ने मोर्चा खोल दिया है। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें लगातार काम के लिए मजबूर किया जाता है, लेकिन वेतन देने में कंपनी प्रबंधन तारीख पर तारीख देता है। लगभग 12 लाख रुपए का वेतन बकाया होने के कारण कर्मचारियों ने अब किसी भी आश्वासन को मानने से इनकार कर दिया है। महिला कर्मचारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक पूरा पैसा उनके बैंक खाते में नहीं आ जाता, वे काम पर नहीं लौटेंगी।

बिजली लाइन काटने पर ग्रामीण बोले- साहब लाइनमैन को दे रहे हर माह पैसा

हरदा। दोपहर मेट्रो

जिले की रहटगांव तहसील के वनग्राम बड़वानी में बिजली कंपनी ने 19 लाख 4 हजार रुपए बकाया होने पर पूरे गांव की बिजली काट दी है। गांव के 127 उपभोक्ताओं पर यह राशि बाकी है। अंधेरे में रहने को मजबूर ग्रामीणों ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। सरपंच सुनील साठे के नेतृत्व में आए 50 से अधिक लोगों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा और बिजली बहाल करने की मांग की। ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वे पिछले तीन सालों से गांव के लाइनमैन बबलू को प्रतिमाह 200 रुपए देते आ रहे हैं, लेकिन उन्हें कभी कोई रसीद नहीं दी गई। सरपंच सुनील साठे ने भी इस बात की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि अब बिना पूर्व सूचना के पूरे गांव की डीपी से बिजली काट दी गई है, जिससे पूरा गांव अंधेरे में डूबा हुआ है।

मेट्रो एंकर | **किसान कल्याण वर्ष 2026 को लेकर नगर में निकाली बाइक रैली**

जिले को कृषि के क्षेत्र में अग्रणी बनाने का लिया संकल्प

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष घोषित किए जाने के क्रम में जिला नर्मदापुरम में किसान जागरूकता, सम्मान और संकल्प के प्रतीक के रूप में भव्य मोटरसाइकिल रैली का आयोजन किया गया। कार्यालय उपसंचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास द्वारा आयोजित रैली का उद्देश्य शासकीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार, किसानों को आधुनिक तकनीकों के प्रति जागरूक करना और युवाओं को कृषि क्षेत्र में प्रोत्साहित करना था।

रैली का शुभारंभ जनप्रतिनिधि राहुल सिंह ठाकुर, गजेन्द्र चौहान, ऋषन शुक्ला, संयुक्त संचालक कृषि संभाग डॉ. आनन्द कुमार बडोनिया, उपसंचालक कृषि डॉ. रविकांत सिंह तथा प्राचार्य कृषि विस्तार केंद्र पवारखेड़ा उपेन्द्र शुक्ला ने हरी झंडी दिखाकर किया। कलेक्ट्रेट गेट, पीपल चौक, कोठी बाजार से प्रारंभ होकर रैली बस स्टैंड, सतरस्ता, रेलवे ओवरब्रिज, रसूलिया, पहाड़िया रोड, आईटीआई मार्ग, कुलामड़ी रोड, सेमेरिटन स्कूल, मालाखेड़ी चौराहा होते हुए उपसंचालक कृषि कार्यालय पर समाप्त हुई। जिले के सभी विकासखंडों से प्रगतिशील, लाभान्वित, नवाचारी युवा किसान, कृषि विभाग, अभियांत्रिकी, उपज मंडी तथा खाद-बीज विक्रेताओं ने सक्रिय भागीदारी की। बैनर व नारों के माध्यम से आधुनिक कृषि तकनीक, फसल विविधीकरण, प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य, नरवाई प्रबंधन, श्री अन्न मिलेट्स तथा जलवायु प्रबंधन पर जोर दिया गया।उपसंचालक कृषि डॉ. रविकांत सिंह ने कहा, यह रैली केवल आयोजन नहीं, बल्कि किसानों के योगदान का सम्मान और जिले को कृषि क्षेत्र में अग्रणी बनाने का संकल्प है। शासन का लक्ष्य किसानों को जागरूक भागीदार बनाना है, क्योंकि सशक्त किसान ही प्रदेश व राष्ट्र की रीढ़ हैं।

औद्योगिक क्षेत्र में 5 करोड़ से बन रहा आधुनिक गार्डन और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

अजय आहूजा। मंडीदीप

मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) द्वारा मंडीदीप के औद्योगिक क्षेत्र में एक आधुनिक और भव्य गार्डन कम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया जा रहा है। लगभग 35 हजार वर्ग मीटर के विशाल क्षेत्र में बन रहे इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 5 करोड़ रुपये है। यह कॉम्प्लेक्स न केवल स्थानीय निवासियों के लिए, बल्कि औद्योगिक क्षेत्र के कारखानों में काम करने वाले श्रमिक एवं उनके परिवारजनों के लिए भी एक आदर्श मनोरंजन और खेल का केंद्र साबित होगा।

औद्योगिक क्षेत्र मे यह गार्डन कम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स हाईवे किनारे, अनंत कंपनी के सामने बनाया जा रहा है। एमपीआईडीसी के अधिकारियों के अनुसार, 6 माह पहले शुरू हुए इस प्रोजेक्ट को फरवरी 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा है। यह कॉम्प्लेक्स शहर के लिए एक अनूठा और आकर्षक स्थल होगा, जहां लोग खेल, मनोरंजन और प्रकृति का आनंद एक साथ ले सकेंगे। इस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में विभिन्न खेलों के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यहां वॉलीबॉल कोर्ट, बैडमिंटन कोर्ट और क्रिकेट नेट्स जैसे खेलों की सुविधा होगी, जो युवाओं और खेल प्रेमियों के लिए विशेष रूप से आकर्षक होंगे। इसके अलावा, अन्य आउटडोर और इनडोर खेलों के लिए भी व्यवस्था की जाएगी, जिससे यह कॉम्प्लेक्स सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए उपयोगी होगा।

खेल सुविधाओं के साथ -साथ प्रकृति और सौंदर्य का संगम

इस प्रोजेक्ट में स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के साथ-साथ एक खूबसूरत गार्डन का निर्माण भी किया जा रहा है। गार्डन में हरे भरे पौधों के बीच मॉर्निंग वॉकर्स के लिए विशेष रूप से पाथवे बनाये गये हैं , जो सुबह की सैर को और भी सुखद बनाएंगे। इसके अलावा, विजिटर्स के लिए सिटिंग चेयर्स की व्यवस्था की जाएगी, ताकि लोग यहां बैठकर प्रकृति का आनंद ले सकें। गार्डन की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए छोटे-छोटे वॉटरफॉल और फाउंटेन भी लगाए जाएंगे, जो इस स्थान को और भी आकर्षक बनाएंगे।

90 फीसदी काम पूरा, फरवरी में होगा लोकार्पण

एमपीआईडीसी के अधिकारी दिनेश चौधरी बताते हैं कि इस प्रोजेक्ट को समय पर पूरा करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। लगभग 90 फीसदी काम पूरा हो चुका है और फरवरी तक इसे जनता के लिए खोल दिए जाने की उम्मीद है। वहीं विभाग के कार्यपालन यंत्री भावेश अग्रवाल बताते हैं कि यह प्रोजेक्ट मंडीदीप के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा, जो शहर को एक नई पहचान देगा। एमपीआईडीसी के ईडी विशाल चौहान ने बताया कि मंडीदीप में करीब 5 करोड़ रु की लागत से 35 हजार वर्ग मीटर मे बन रहा गार्डन कम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स न केवल खेल और मनोरंजन के लिए एक आदर्श स्थान होगा, बल्कि यह शहर के सौंदर्य और सामुदायिक जीवन को भी समृद्ध करेगा।

न्यूज विंडो

धार में कलेक्टर की बड़ी कार्रवाई 10 आरोपियों को किया जिलाबदर

धार। जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और आपराधिक तत्वों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रियंक मिश्रा ने विभिन्न गंभीर अपराधों में संलिप्त जिले के 10 आरोपियों को तत्काल प्रभाव से जिला बदर करने के आदेश जारी किए गए हैं। जिला दण्डाधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार, आरोपियों को उनकी अपराध की प्रकृति और संलिप्तता के आधार पर अलग-अलग अवधियों के लिए निष्कासित किया गया है! विज्जु उर्फ विजय निवासी डिस्लरी रोड़, समीर उर्फ कालिया धरमपुरी, राज वसुनिया धार और इसरार उर्फ अमीन निवासी धार को 1 वर्ष के लिए जिला बदर किया गया है। साथ ही अनसिंह उर्फ अनवर उमरबन को 6 माह के साथ मोईनलाला, फिरोज खान, गोपाल जादव सभी धार कोतवाली क्षेत्र और लक्ष्मीनारायण उर्फ गंगाराम चौधरी सरदारपुर को 3 माह के लिए जिला बदर किया गया है। उमेश उर्फ कालू निवासी पीथमपुर को एक माह के लिए निष्काषित किया गया है। कलेक्टर मिश्रा के सख्त निर्देशों के अनुसार, इन सभी अपराधियों को धार जिले सहित आसपास के सीमावर्ती जिलों - इन्दौर, उज्जैन, रतलाम, झाबुआ, बड़वानी, खरगोन एवं अलिराजपुर की राजस्व सीमाओं से बाहर रहना होगा। आदेश की अवधि के दौरान, बिना जिला दण्डाधिकारी धार की लिखित अनुमति के इन क्षेत्रों में उनका प्रवेश पूरी तरह वर्जित रहेगा।

सफाई कर्मचारी के ट्रांसफर को लेकर बढ़ा विवाद, पार्षद ने जताई नाराजगी

मंडीदीप। नगर पालिका के वार्ड 26 सराकिया गांव में सफाई व्यवस्था को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। रहवासियों की लगातार शिकायतों के बाद सफाई कर्मचारी नन्दलाल का ट्रांसफर वार्ड 15 में कर दिया गया था, लेकिन इस फैसले से वार्ड पार्षद भगवत सिंह राजपूत बेहद नाराज हो गए। उन्होंने सफाई प्रभारी जावेद खान को खरी-खोटी सुनाई और कहा कि वे इस मामले में विधायक से शिकायत करेंगे। नगर पालिका ने नन्दलाल को नाली सफाई के कार्य के लिए वार्ड 26 में तैनात किया था, लेकिन कर्मचारी द्वारा काम में कोताही बरतने की शिकायतें ग्रामीणों की ओर से लगातार आ रही थीं। इन शिकायतों के आधार पर नपा कार्यालय ने गुरुवार को आदेश जारी कर नन्दलाल को वार्ड 15 में स्थानांतरित कर दिया और राजेश को उनकी जगह वार्ड 26 में तैनात करने का निर्णय लिया। इस फैसले से आहत पार्षद भगवत सिंह राजपूत ने सफाई प्रभारी जावेद खान से नाराजगी जताई।

आठ स्थाई एवं गिरफ्तारी वारंट तामील, अपराधियों में हड़कंप

मंडीदीप। औबेदुल्लागंज सबडिवीजन में पुलिस ने अपराधियों पर सख्ती बरतते हुए बड़े पैमाने पर कांबिंग गस्त अभियान चलाया। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर छापेमारी और गश्त की गई, जिसमें कुल आठ स्थाई एवं गिरफ्तारी वारंट सफलतापूर्वक तामील किए गए। इस विशेष अभियान में मंडीदीप, ओबेदुल्लागंज, गौहरगंज, नूरगंज और सतलापुर थाने की पुलिस टीमें शामिल रहीं। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके के अपराधिक तत्वों में खलबली मच गई और वे सतर्क हो गए। एसडीओपी पुलिस, ओबेदुल्लागंज शीला सुराणा ने बताया कि ऐसी कार्यवाहियां नियमित रूप से की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की कांबिंग गस्त और वारंट तामील अभियान अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार चलाए जाते हैं, ताकि समाज में अपराधियों का दबदबा खत्म हो और आम नागरिक सुरक्षित महसूस करें।

7 परिक्षेत्रों की 78 बीटों में वनकर्मियों ने किया वन्यप्राणियों का आंकलन

धार। जिले के सवा लाख हेक्टेयर में फैले सघन वन क्षेत्रों में वन्यप्राणियों की आहट अब और स्पष्ट होने लगी है। अखिल भारतीय बाघ आंकलन 2025-26 के पहले चरण के तहत धार वन मंडल में वन्यप्राणियों की गणना का महा-अभियान पुरा हो गया है। डीएफओ विजयनंथम टी.आर. के मार्गदर्शन में चले इस सर्वे के जो प्रारंभिक आंकड़े सामने आए हैं, वे जिले के पारिस्थितिक तंत्र के लिए सुखद संकेत दे रहे हैं। वन विभाग ने इस गणना को बेहद व्यवस्थित तरीके से तीन चरणों में विभाजित किया था, जिसमें प्रथम चरण में 18 दिसंबर से 24 दिसंबर धार, धामनोद और मांडव रेंज शामिल थे, दूसरे चरण में 5 जनवरी से 12 जनवरी सरदारपुर और टांडा रेंज के साथ तृतिय चरण 18 जनवरी से 24 जनवरी बाग और कुक्षी रेंज शामिल थे। कुल 7 परिक्षेत्रों की 78 बीटों में 196 से अधिक वनकर्मियों ने दिन-रात एक कर वन्यजीवों के पदचिन्हों, मचानों से प्रत्यक्ष दर्शन और डिजिटल एप्स के माध्यम से डेटा जुटाया है। इस सर्वेक्षण में सबसे उत्साहजनक आंकड़े तेंदुओं को लेकर आए हैं। सर्वे में 93 तेंदुओं के साक्ष्य मिले हैं। गौरतलब है कि 2022 की गणना में जिले में करीब 150 तेंदुओं की पुष्टि हुई थी।

बोर्ड परीक्षा: जिले के 142 केन्द्रों पर 58 हजार से अधिक परीक्षार्थी होंगे शामिल

मोबाइल सहित समस्त इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं रहेगी प्रतिबंधित, सोशल मीडिया पर रहेगी पैनी नजर

सागर । दोपहर मेट्रो

माध्यमिक शिक्षा मंडल की दिशा निर्देशों का अक्षरः पालन करते हुए परीक्षा संपन्न कराएं। मोबाइल सहित समस्त इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी एवं सोशल मीडिया पर रखें पैनी निगाह साथ ही संपूर्ण बोर्ड परीक्षा के लिए जिला पंचायत सीईओ विवेक के वी नोडल अधिकारी होंगे। उक्त निर्देश कलेक्टर संदीप जी आर ने माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के द्वारा आयोजित कक्षा दसवीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा के संबंध में संबंधित शिक्षा विभाग सहित अन्य अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक के वी, संभागीय अधिकारी माध्यमिक शिक्षा मंडल आरएस दाहिमा, जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद जैन, समन्वय संस्था के प्राचार्य सुधीर तिवारी, शैलेंद्र जाट सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर ने कहा कि माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित होने वाली कक्षा दसवीं एवं बारहवीं की बोर्ड परीक्षा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए एवं मंडल की निर्देशों का अक्षर का पालन करते हुए परीक्षा को संपन्न करवाए। कक्षा दसवीं एवं बारहवीं की बोर्ड परीक्षा के लिए उड़न दस्ता की तैनाती की जावे एवं लगातार निरीक्षण किए जाएं। परीक्षा पूर्णतः निर्विघ्न रूप से संपन्न हो इसके लिए परीक्षा मंडल के निर्देशों का पालन करते हुए परीक्षा को पूर्ण कराएं। कलेक्टर प्रतिनिधि अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए पुलिस थाने से लेकर परीक्षा केंद्र तक पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ कार्य करेंगे। कहीं कोई गड़बड़ी होने पर तत्काल कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी। जिले में 142 परीक्षा केंद्र तैयार किए गए हैं, जिनमें 58000 से अधिक परीक्षार्थी शामिल होंगे। सभी 142 परीक्षा केंद्रों पर केंद्र अध्यक्ष, सहायक केंद्र अध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक मंडल के निर्देशों का पालन करते हुए अपने-अपने मोबाइल परीक्षा के पूर्व परीक्षा केंद्र पर जमा करेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद जैन ने बताया कि हाई स्कूल परीक्षा कक्षा दसवीं में 33998 कक्षा 12वीं हाई सेकेंडरी परीक्षा के लिए 24882 कुल 58880 परीक्षार्थी शामिल होंगें। जिले में दो अति संवेदनशील केंद्र बनाए गए हैं। अति संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर विशेष आब्जर्वर तैनात किए गए हैं ।

पर्यवेक्षकों की सूची तैयार कर प्रस्तुत करें

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मंडल की निर्देश अनुसार केंद्र अध्यक्ष, सहायक केंद्र अध्यक्ष एवं पर्यवेक्षकों की सूची तैयार कर प्रस्तुत की जाए। इसी प्रकार केंद्र अध्यक्ष, सहायक केंद्र अध्यक्ष एवं कलेक्टर प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण आयोजित किया करें, जिसमें सभी को पूरी जानकारी प्रदान करें। मंडल के निर्देशानुसार सभी जानकारी पोर्टल पर प्रविष्टि की जावे। समन्वय संस्था में विशेष व्यवस्था रखी जाए एवं पुलिस गार्ड 24 घंटे तैनात किए जाएं। प्रश्न पत्र एवं गोपनीय सामग्री पुलिस के साथ वितरण की जावे। जिला स्तर एवं विकासखंड स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया जावे। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए की संपूर्ण बोर्ड परीक्षा में सोशल मीडिया पर पैनी नजर रखें और किसी भी प्रकार की संवेदनशील जानकारी शेयर करने पर सावधानी रखी जाए और किसी प्रकार की भ्रामक जानकारी आने पर तत्काल पुलिस कार्रवाई सुनिश्चित की जावे। समस्त परीक्षार्थियों एवं उनके अभिभावकों से अपील भी की है कि किसी भी प्रकार की भ्रामक जानकारी में न आए और अपना विधिवत अध्ययन कार्य करें और परीक्षा में अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण हों।

कक्षा का पलस्तर गिरने पर दो शिक्षकों को किया निलंबित

सागर । दोपहर मेट्रो

कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देश पर कार्यवाही करते हुए सागर विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला गढ़ौलीखुर्द विकासखंड सागर की प्राथमिक शिक्षक एवं प्रभारी प्रधानाध्यापक कृष्णा गुप्ता एवं शासकीय प्राथमिक शाला बिहारीखेड़ा विकासखंड सागर के प्रधानाध्यापक रामप्रसाद शर्मा मूल पद सहायक शिक्षक को निलंबित कर दिया। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से जारी निलंबन आदेश के अनुसार शासकीय प्राथमिक शाला गढ़ौलीखुर्द के कक्ष की छत का प्लास्टर अचानक गिरने से कक्षा में अध्ययनरत छात्र को चोट आई। उक्त घटना पर विकासखंड स्त्रोत समन्वयक जनपद शिक्षा केन्द्र सागर एवं उनकी टीम द्वारा जांच की गई। विकासखंड स्त्रोत समन्वयक जनपद शिक्षा केन्द्र सागर के जांच प्रतिवेदन के अनुसार कृष्णा गुप्ता प्राथमिक शिक्षक एवं प्रभारी प्रधानाध्यापक शासकीय प्राथमिक शाला गढ़ौलीखुर्द प्रथम दृष्टया दोषी पाई गई। इसी प्रकार गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य पर शासकीय प्राथमिक शाला बिहारीखेड़ा विकासखंड सागर में विशेष भोज के आयोजन में संस्था के बच्चों को पत्तल पर भोजन करते हुए सोशल मीडिया पर वीडियो प्रसारित हुए जिस पर कलेक्टर के निर्देश पर विकासखंड स्त्रोत समन्वयक जनपद शिक्षा केन्द्र सागर एवं उनकी टीम द्वारा संस्था में उपस्थित होकर जांच की गई। प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन के अनुसार शिकायत की पुष्टि करते हुए संस्था प्रधानाध्यापक रामप्रसाद शर्मा मूल पद सहायक शिक्षक की गंभीर लापरवाही पाई गई। उक्त प्रकरणों के मद्देनजर दोनों शिक्षकों के लापरवाहीपूर्ण व्यवहार एवं प्रथमदृष्टा दोषी पाए जाने पर दोनों शिक्षकों कृष्णा गुप्ता एवं रामप्रसाद शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया।

सिविल अस्पताल मंडीदीप को दान में मिली आधुनिक सफाई मशीन

मंडीदीप। शहर के सिविल अस्पताल मंडीदीप में अब सफाई और स्वच्छता की व्यवस्था और अधिक पुख्ता हो जाएगी। सीमा शुल्क विभाग, इंदौर ने अस्पताल को एक आधुनिक क्लीनिंग मशीन भेंट की है, जिससे अस्पताल के फ्लोर को बेहतर और प्रभावी ढंग से साफ किया जा सकेगा। गुरुवार को विभाग के असिस्टेंट कमिश्नर ने विशेष रूप से अस्पताल पहुंचकर यह मशीन प्रदान की। मशीन अस्पताल के प्रभारी डॉक्टर शलभ तिवारी को सौंपी गई। इस आधुनिक मशीन की मदद से सफाई कर्मचारियों को काफी सुविधा मिलेगी और अस्पताल परिसर की स्वच्छता स्तर में उल्लेखनीय सुधार होगा। यह पहल न केवल अस्पताल की सफाई व्यवस्था को मजबूत करेगी, बल्कि मरीजों और उनके परिजनों के लिए भी अधिक स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराएगी। सीमा शुल्क विभाग की इस सामाजिक पहल की सराहना की जा रही है।

लोकार्पण कार्यक्रम में नियत समय से तीन घंटे देरी से आए विधायक

भूखे-प्यासे छात्रों से कराया घंटों इंतजार

सिवनीमालवा। दोपहर मेट्रो

पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में भूमिपूजन और लोकार्पण कार्यक्रम विधायक द्वारा किया जाना था। जिसका नियत समय सुबह 11 बजे निर्धारित था, लेकिन विधायक प्रेमशंकर वर्मा कार्यक्रम मे तीन घंटे देरी से दोपहर 1 बजे आए। तब तक विद्यार्थी भूखे-प्यासे एवं स्काउट गाइड और एनसीसी केडेट्स खड़े खड़े इंतजार करती रही। विधायक के 3 घंटे देरी से आने पर पत्रकारों ने भी कार्यक्रम से दूरी बना ली।

पीएम श्री कन्या विद्यालय में प्रयोगशाला कक्ष 2 एवं बैडमिंटन कोर्ट का भूमिपूजन, सांस्कृतिक भवन टीन शेड का लोकार्पण एवं विद्यालय की वार्षिक पत्रिका अरुणीमा का विमोचन के का नियत समय सुबह 11 बजे का था। इसमें मुख्य अतिथि विधायक प्रेमशंकर वर्मा, अध्यक्षता नपाध्यक्ष रितेश जैन तथा विशिष्ट अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष प्रीति शुक्ला एवं जनपद अध्यक्ष रेणुका मंडलोई के लिए आमंत्रित थी। विधायक वर्मा कार्यक्रम में 3 घंटे देरी से दोपहर 1 बजे आए, तब तक छोटे छोटे विद्यार्ति पंडाल मे बैठकर और स्काउट गाइड एवं एनसीसी केडेट्स विधायक का स्वागत करने के लिए खड़े खड़े भूखी प्यासी इंतजार करती रही। इस कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन प्राचार्य एसएस रघुवंशी, बीआरसीसी संगीता यादव और बीईओ योगेश मलारे ने छोटे छोटे विद्यार्थियों को भी बुलाया था। जिनके नास्ते और भोजन के लिए इनके द्वारा कोई व्यवस्था नहीं की गई। विधायक भी देरी से आने के बाद अपना स्वागत कराकर सीधे कक्ष में चले गए और मंच के सामने बैठी छात्राएं उनका एक बार फिर से इंतजार करती रहीं। यह कार्यक्रम दोपहर 4 बजे तक चलता रहा विधायक के तीन घंटे देरी से कार्यक्रम में आने पर पत्रकारो ने भी दूरी बना ली।

मेट्रो एंकर हर साल आते हैं यूरेशियन ग्रिफिन और सिनेरियस प्रजाति के प्रवासी गिद्ध

यूरोप से नौरादेही टाइगर रिजर्व पहुंचा सिनेरियस वल्चर, सात प्रजाति के गिद्धों का लगा जमावड़ा

विशाल रजक। तेन्दूखेड़ा

सालों से प्रवासी पक्षी सर्दियां बिताने के लिए आते रहे हैं। स्थानीय और प्रवासी गिद्ध काफी संख्या में यहां आते हैं। नौरादेही टाइगर रिजर्व की नरसिंहपुर जिले की डोंगरगांव रेंज में सर्दी के मौसम में स्थानीय और प्रवासी गिद्ध काफी संख्या में पहुंचते हैं। इस इलाके को विद्युत कोच नाम से जाना जाता है। यहां पिछले कई सालों से 7 प्रजाति के गिद्ध सर्दियां बिताने पहुंचते हैं, इनमें बड़ी संख्या में 3 प्रजाति हिमालयन ग्रिफिन, यूरेशियन ग्रिफिन और सिनेरियस प्रजाति के प्रवासी गिद्ध यहां आते हैं। सिनेरियस गिद्ध यूरोप से करीब 7 हजार किमी का सफर तय कर नौरादेही पहुंचता है। गर्दन की खास बनावट के कारण इसे भिक्षु गिद्ध भी कहते हैं। इसकी खासियत ये है कि यह गर्म हवाओं में भी काफी ऊंचाई पर उड़ान भर सकता है। ऐसा इसलिए है कि इसके खून में एक विशेष प्रकार का हीमोग्लोबिन पाया जाता है, जो उड़ने के दौरान इसकी मदद करता है। नौरादेही टाइगर रिजर्व में आज से नहीं, तब से प्रवासी पक्षी और खासकर गिद्ध आते हैं, जब यह वन्यजीव अभ्यारण्य हुआ करता था। यहां आने वाले सात प्रजाति के गिद्धों में 4 स्थानीय और 3 प्रवासी गिद्ध हैं। प्रवासी या मेहमान गिद्धों में हिमालयन ग्रिफिन, यूरेशियन ग्रिफिन और सिनेरियस गिद्धों की प्रवासी प्रजातियां यहां आती हैं। इस बार की सर्दियों में नौरादेही में तीनों मेहमान गिद्ध काफी संख्या में आए हुए हैं, जो इस बार हुई पक्षियों की गणना में दिखते हैं। वैसे तो पूरे टाइगर रिजर्व में काफी संख्या में गिद्ध नजर आते हैं। स्थानीय और प्रवासी गिद्धों का पसंदीदा ठिकाना गिद्धकोंच है। गिद्धकोंच नरसिंहपुर जिले की डोंगरगांव रेंज का इलाका है, जहां खड़ी और बड़ी चट्टाने हैं, जहां स्थानीय और प्रवासी गिद्ध अपना ठिकाना बनाते हैं। नौरादेही टाइगर रिजर्व का ये इलाका गिद्धों का पसंदीदा इलाका है। इसलिए इस इलाके का नाम गिद्धकोंच पड़ गया है। सिनेरियस गिद्ध पेड़ों और चट्टानों में घोंसला बनाना पसंद करते हैं।

युवती को जलाने वाले आरोपी को आजीवन कारवास की सजा

धार। युवती को जलाकर हत्या करने वाले आरोपी को सरदारपुर कोर्ट ने आजीवन कारावास एवं अर्थदंड से दंडित किया गया। आरोपी ने युवती को अपने किराये के कमरे पर बुलाया व झगड़ा करने लगा। युवती ने विरोध किया तो आरोपी रवि पिता समरिया परमार ने जान से मारने की नियत से युवती पर घासलेट डालकर आग लगा दी, इंदौर में उपचार के दौरान युवती की मौत हो गई थी। हालांकि अस्पताल में दम तोड़ने के पहले युवती ने अपने बयान में युवक पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। इसी आधार पर कोर्ट ने सजा सुनाई है। प्रकरण में शासन की और से पैरवी करने वाले एडीपीओ पिन्जु लाल मेड़ा ने बताया कि फरियादी सुरज पिता जामसिंह बिलवाल थाना रिपोर्ट किया कि मुझे 29,नवंबर 2023 को शाम 6 बजे करीबन मुझे खबर मिली की तुम्हारी भतीजी कुमारी शिवानी पिता निर्भयसिह बिलवाल सरदारपुर में जल गई है जिसको सरदारपुर अस्पताल में भर्ती करवा रखी है। सूचना मिलने पर गाँव से मैं तथा मेरे बड़े भय्या निर्भयसिह, भतीजा बन्टू भाई वर्दीचन्द व बड़े भाई मुकेश के साथ सरदारपुर अस्पताल आये देखा तो शिवानी पुरी तरह से जल गई।

युवराज सिंह ने सानिया मिर्जा को बताई क्रिकेट छोड़ने की असली वजह

ना सम्मान मिल रहा था और ना सपोर्ट...

नई दिल्ली, एजेंसी

युवराज सिंह ने जून 2019 में वनडे वर्ल्ड कप के बीच में संन्यास लेने का ऐलान किया था, अब उन्होंने उन बातों पर से राज का पर्दा उठाया है कि उनके इस फैसले की वजह क्या थी? युवराज ने कहा वो उस समय अलग-थलग महसूस कर रहे थे। उन्हें लग रहा था कि कोई उनके खेल का सम्मान नहीं कर रहा। युवराज सिंह ने 2019 में आईपीएल और इंटरनेशनल क्रिकेट दोनों से संन्यास ले लिया था। वे 2017 चैम्पियंस ट्रॉफी खेले थे लेकिन इसके बाद उन्हें बाहर कर दिया गया था।

सानिया मिर्जा संग युवराज ने सर्विंग इट अप विद सानिया (Serving it Up with Sania) यूट्यब पॉडकास्ट में बात कर रहे थे। सानिया ने उनसे इस दौरान हैदराबाद में डिनर के दौरान हुई मुलाकात का जिक्र किया। सानिया ने युवराज से पूछा उस दौर के बारे में बताइए जब आप पूरी क्षमता से से नहीं खेल पा रहे थे, तब आपके जेहन में क्या चल रहा था।

युवराज ने कहा- सच कहूं तो उस समय मैं अपना गेम इंजॉय नहीं कर रहा था। मैंने तब खुद से सवाल किया कि आखिर क्यों खेल रहा हूं। मुझे ना तब सपोर्ट मिल रहा था और ना किसी का रेस्पेक्ट।तब मुझे लगा कि जब मैं आगे नहीं बढ़ पा रहा हूं तो खुद को जबरदस्ती क्यों खींचूं। जबकि इस गेम ने मुझे काफी कुछ दिया है। जिस काम को करने में आनंद नहीं आ रहा उससे क्यों चिपका हुआ हूं। मुझे खेलने की जरूरत क्यों है। क्या साबित करना है। मैं शारीरिक और मानसिक तौर पर इससे ज्यादा नहीं कर सकता हूं। मुझे इससे तकलीफ हो रही थी। और जिस दिन मैं रुका उसी दिन मैं खुद को महसूस करने लगा।

युवराज ने इस दौरान कहा कि जब लगा अब नहीं होगा तो उसी दिन क्रिकेट से रिटायरमेंट लेने का फैसला कर लिया। क्रिकेट के बाद गोल्फ से जुड़े अनुभव साझा करते हुए युवराज ने कहा कि यह खेल उनके लिए आजदी जैसा है। गोल्फ को उन्होंने एक ऐसा खेल बताया, जो वह सिर्फ अपने लिए खेलते हैं, किसी देश या टीम के दबाव के बिना। दोस्तों के साथ खेलने, हल्की-फुल्की प्रतिस्पर्धा और लंबे शॉट मारने का अहसास उन्हें क्रिकेट में लगाए गए छक्कों की याद दिलाता है। युवराज के मुताबिक, गोल्फ ने उन्हें मानसिक सुकून दिया और फिट रहने में भी मदद की।

जब मां के लिए खरीदा घर, तब कैसा था युवी का अनुभव

अपनी मां के लिए घर खरीदने के अनुभव को युवराज ने बेहद भावुक पल बताया। उन्होंने कहा कि पहली कमाई से मां को उनका खुद का घर देना उनके जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक थी। वहीं बच्चों के साथ रिश्ते पर युवराज ने अपनी पत्नी हेज़ल को श्रेय दिया, जिन्होंने उन्हें शुरू से बच्चों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। युवराज ने कहा कि भले ही वह यात्राओं की वजह से दूर रहते हों, लेकिन बच्चों के साथ उनका रिश्ता मजबूत है। युवराज ने पॉडकास्ट में अपने जीवन और करियर से जुड़े कई बेहद निजी और भावुक पहलुओं को खुलकर साझा किया। युवराज ने बताया कि उन्हें एक समय डॉक्टर ने साफ शब्दों में कह दिया था कि उनके पास 3 से 6 महीने का वक्त है और उनके सामने दो ही रास्ते था, या तो क्रिकेट खेलते रहें और मैदान पर जान गंवा दें या फिर इलाज कराएं। युवराज ने इसे अपने जीवन का सबसे कठिन फैसला बताया।

छह छक्कों के पीछे गुस्सा था या जुनून?

2007 टी20 वर्ल्ड कप में लगाए गए ऐतिहासिक छह छक्कों को लेकर युवराज ने बताया कि वह पल पूरी तरह भावनाओं से भरा हुआ था। इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में एंड्रयू फ्लिंटॉफ से हुई बहस ने उन्हें अंदर से झकझोर दिया था। गुस्से में उन्होंने अपनी पूरी ऊर्जा गेंद पर फोकस करने में लगा दी और यही गुस्सा उनके लिए ताकत बन गया। युवराज ने कहा कि उस दिन सब कुछ उनके पक्ष में जा रहा था और वह गेंद को आखिरी क्षण तक देख पा रहे थे। युवराज ने यह भी माना कि सचिन तेंदुलकर के साथ उनका रिश्ता समय के साथ मजबूत हुआ। उन्होंने सचिन के जन्मदिन पर एक पुरानी तस्वीर पोस्ट करने के लिए सार्वजनिक रूप से उनसे माफी मांगी और कहा कि ड्रेसिंग रूम में सचिन को सहज और मस्ती के मूड में देखना हमेशा खास रहा है।

सिद्धू के खारिज किए जाने पर बोले युवराज

2007 टी20 वर्ल्ड कप और 2011 वनडे वर्ल्ड कप जीत के हीरो युवराज ने बातचीत के दौरान अपनी प्रतिभा के बारे में करियर के शुरुआती सालों में उठाए गए सवालों पर भी बात की। नवजोत सिंह सिद्धू ने उन्हें खारिज कर दिया था। इस बारे में युवी ने बताया- अब जब मैं पीछे देखता हूं तो लगता है कि उनके पास मेरे खेल को सही से परखने का समय नहीं था। वह बस मेरे पिता के सामने अच्छा बनना चाह रहे थे। फिर वह उस समय भारत के लिए खेल भी रहे थे तो शायद उन्होंने वैसा कह दिया होगा। मैं उस समय 13-14 साल का था। इस खेल को समझने की कोशिश कर रहा था। मैंने उनकी बात को व्यक्तिगत नहीं लिया। लेकिन मेरे पिता ने लिया था। उन्होंने कहा कि चल बेटा मैं तुझे बताता हूं कि क्रिकेट कैसे खेलते हैं।

गुरु युवराज सिंह की बात भी कर रहे अनसुनी

चले तो चांद तक वरना शाम तक... अभिषेक की तेजी बन रही मुसीबत

नई दिल्ली, एजेंसी

तो क्या अभिषेक शर्मा की कहानी चले तो चांद तक वरना शाम तक हो गई है। क्योंकि वो कब चलकर मैच का नतीजा बदल दें और कब तुरत - फरत आउट हो जाएं तो इस बात का अंदाजा लगा पाना मुश्किल हैं। थोड़ा पीछे चलते हैं- तारीख 4 सितंबर 2024 थी, इस दिन अभिषेक शर्मा के मेंटॉर युवराज सिंह ने एक वीडियो शेयर किया, जो उनके जन्मद?िन पर था। वीडियो में अभिषेक हर गेंद पर बड़ा शॉट खेलने का प्रयास कर रहे हैं। इस दौरान युवराज सिंह उनसे कहते हैं- सिंगल भी ले लिया कर महाराज। पर जब अभिषेक उनकी सलाह पर ध्यान नहीं देते। इस पर आखिर में युवराज मजाकिया अंदाज में चुटकी लेते हुए कहते हैं- तू न सुधरी। बस छक्के मारी जाई, थल्ले न खेली। यानी तू नहीं सुधरेगाज्बस छक्के ही मारता रहेगा, थल्ले नहीं खेलेगा।

जहां 'थल्ले न खेली' का मतलब है गेंद को नीचे रखकर, समझदारी से खेलने की सलाह से था। इस वीडियो के अलावा भी युवराज सिंह कई मौकों पर अभिषेक को संयम और मैच सिचुएशन के मुताबिक खेलने की नसीहत दे चुके हैं। वहीं युवराज के अलावा कई क्रिकेट के एक्सपर्ट भी अभिषेक को लेकर यह कह चुके हैं कि अगर वो थोड़ा रुकने का माद्दा दिखाएं तो उनकी पारियां लंबी हो सकती हैं। अभिषेक की पिछली 10 पारियों में 2 अर्धशतक हैं, जो न्यूजीलैंड संग इसी सीरीज में आए हैं। वहीं वो इस सीरीज में एक अनचाहा इतिहास भी बना चुके हैं।

पहली ही गेंद पर आउट होने वाले ओपनर

अभिषेक शर्मा एक ही टी20 सीरीज में दो गोल्डन डक (पहली ही गेंद पर आउट) बनाने वाले पहले भारतीय ओपनर हैं। इसके अलावा वो टी20 इनिंग की पहली बॉल पर आउट होने वाले सिर्फ पांच भारतीय बल्लेबाजों में से एक हैं, उनके बाद केएल राहुल, पृथ्वी शॉ, रोहित शर्मा और संजू सैमसन हैं। अभिषेक ने डेब्यू टी20 में डेब्यू 6 जुलाई 2024 को हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ किया था, वहां भी वो 0 पर आउट हुए थे। अभिषेक ने इस सीरीज या तो हाई स्ट्राइक रेट से बड़ी फिफ्टी बनाई है या जीरो पर आउट हुए हैं, दो डक के बावजूद उनका एवरेज 50.66 है। ऐसे में उनसे उम्मीद यही की जाएगी कि वो टी20 वर्ल्ड कप में कम से कम थोड़ा रुककर खेलने का संयम द?िखाएंगे। अभिषेक भारत के लिए भारत के लिए टी20 में 3 डक बना चुके हैं।

टीम इंडिया की असली टेंशन क्या है?

विश्व कप से पहले हिटमैन रोहित शर्मा ने गिनाईं गत विजेता टीम की चुनौतियां

मुंबई, एजेंसी

टी20 विश्व कप को शुरू होने में अब बस कुछ ही दिनों का वक्त रह गया है। सात फरवरी से यह टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। डिफेंडिंग चैंपियन और आईसीसी टी20 रैंकिंग में नंबर-1 टीम इंडिया इस टूर्नामेंट को जीतने के लिए पसंदीदा मानी जा रही है। पिछले एक साल में इस टीम ने कई सीरीज और मैच जीते हैं और सूर्यकुमार यादव की अगुआई में यह टीम नए कीर्तिमान रच रही है। हालांकि, भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि खिताब को बचाने का रास्ता आसान नहीं रहने वाला है। भारत ने 2024 में रोहित की कप्तानी में ही टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले रोहित ने टीम इंडिया की सबसे बड़ी टेंशन का खुलासा किया है। उनके मुताबिक, टीम मैनेजमेंट के सामने सबसे बड़ी चुनौती कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती को प्लेइंग-11 में एक साथ शामिल करने को लेकर होगी। उनके मन में होगा कि क्या दोनों को साथ खिलाया जाए या फिर इन दोनों में से सिर्फ वरुण के साथ पूरे टूर्नामेंट में उतरा जाए। पिछले कुछ वर्षों में टीम इंडिया अपने स्पिन अटैक पर कुछ ज्यादा ही निर्भर रही है। वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल नियमित तौर पर टीम का हिस्सा रहे हैं और विपक्षी टीमों को इन्होंने खूब परेशान किया है।

सूर्यकुमार-गंभीर की सबसे बड़ी चुनौती

रोहित ने हॉटस्टार पर बात करते हुए कहा, सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वह कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती को साथ कैसे खिलाएं। अगर आपको इन दोनों को साथ खिलाने वाला कॉम्बिनेशन चाहिए तो आप सिर्फ दो ही तेज गेंदबाज को खिला सकेंगे, जो कि एक बड़ी चुनौती है। दरअसल, अक्षर टीम के उपकप्तान हैं और टीम को बैलेंस देते हैं, तो उन्हें बाहर करना मुश्किल है। हालांकि, इन परेशानियों के बावजूद विश्व विजेता कप्तान ने कहा कि अगर वह सूर्यकुमार की जगह होते तो दोनों स्पिनर्स को खिलाते।

टीम बैलेंस पर पड़ सकता है असर

रोहित की बात इसलिए जायज है क्योंकि तीन स्पिनरों को खिलाना टीम बैलेंस पर असर डालेगा। अगर अक्षर, कुलदीप और वरुण तीनों खेलते हैं तो भारत को सिर्फ जसप्रीत बुमराह के साथ उतरना पड़ेगा। हार्दिक दूसरे पेसर और शिवम दुबे तीसरे पेसर की भूमिका निभाएंगे। न तो अर्शदीप सिंह और न ही हर्षित राणा खेल पाएंगे, जो कि एक गैम्बल यानी रिस्क होगा। रोहित ने कहा कि सूर्यकुमार और गंभीर के लिए प्लेइंग-11 में बैलेंस लाना आसान नहीं होगा।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

ठंडे बस्ते में गई डॉन 3

अब तीन हसीनाओं संग जिंदगी जीने निकले फरहान अख्तर

फिल्ममेकर और एक्टर फरहान अख्तर ने अपनी मचअवेटेड फिल्म डॉन 3 को फिलहाल ठंडे बस्ते में डालने का फैसला किया है। अब फरहान का पूरा ध्यान अपने ड्रीम प्रोजेक्ट कैटरीना, आलिया और प्रियंका चोपड़ा स्टारर %जी ले जरा% पर है। इसके पीछे की वजह ये है कि फरहान नहीं चाहते कि %डॉन% जैसी आइकॉनिक फ्रेंचाइजी के लिए कास्टिंग में कोई भी जल्दबाजी की जाए, इसलिए उन्होंने सही चेहरे की तलाश के लिए वक्त लेने का मन बनाया है और अपनी पूरी एनर्जी रोड-ट्रिप फिल्म पर लगा दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म से जुड़े करीबी सूत्रों का कहना है कि फरहान को लगता है कि डॉन 3 में रोल के लिए सही एक्टर का चुनाव सबसे अहम कड़ी है।

वह किसी भी दबाव में आकर गलत फैसला नहीं लेना चाहते। डॉन 3 के लिए कास्टिंग का प्रोसेस काफी लंबा और पेचीदा हो सकता है, और यही वजह है कि उन्होंने फिलहाल इस प्रोजेक्ट से ब्रेक ले लिया है। वह चाहते हैं कि जब भी यह फिल्म फ्लोर पर आए, तो लीड एक्टर ऐसा हो जो इस लेगेसी को सही तरीके से आगे ले जा सके।

जी ले जरा पर काम शुरू!- डॉन 3 पर काम रुकने के साथ ही फरहान ने अपने सबसे अहम प्रोजेक्ट जी ले जरा की फाइलें फिर से खोल दी हैं। प्रियंका चोपड़ा, कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट जैसे बड़े नामों से सजी इस फिल्म का इंतजार फैंस सालों से कर रहे हैं। अब लंबे समय तक खामोशी के बाद, फरहान ने एक बार फिर इन तीनों लीड एक्ट्रेसेस के साथ बातचीत का सिलसिला शुरू कर दिया है। सोर्स के मुताबिक फरहान के लिए यह फिल्म हमेशा से दिल के करीब रही है और अब उन्हें लगता है कि इसे आगे बढ़ाने का यही सबसे सही समय है।

समय मिलते ही शूटिंग होगी शुरू

इस समय प्रियंका, कैटरीना और आलिया, तीनों ही अपने-अपने प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। हालांकि, ताजा अपडेट यह है कि अगर सब कुछ प्लान के अनुसार रहा और तीनों की डेट्स मैच हो गईं, तो फिल्म 2026 के दूसरे हाफ में शुरू हो सकती है। क्रिएटिव तौर पर फिल्म की टीम पूरी तरह तैयार है, बस अब मामला शेड्यूल को सही तरीके से मैनेज करने पर टिका है। वहीं जी ले जरा की स्क्रिप्ट काफी समय पहले ही लॉक हो चुकी है।

अभिनेत्री रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। एक्ट्रेस इन दिनों इस फिल्म के प्रमोशन में काफी व्यस्त हैं। पिछले दिनों जब फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ तब रानी को फैंस समेत सेलेब्स का भी खूब प्यार मिला था। अब हाल ही में रानी ने महिलाओं को लेकर ऐसा बयान दिया जो फैंस को कुछ खास पसंद नहीं आया। जानें उन्होंने क्या कहा?

महिलाओं को लेकर दिए बयान पर ट्रोल हुईं रानी, फूटा यूजर्स का गुस्सा

बॉलीवुड हंगामा को दिए एक इंटरव्यू में रानी आम घरों में महिलाओं की स्थिती पर बात कर रहीं थीं। इस दौरान उन्होंने कहा, एक घर में रहने वाले जोड़े के बीच बराबरी होनी चाहिए। अगर पुरुष अपनी आवाज तेज कर सकता है ? तो महिलाओं को भी चिल्ला कर बात करनी चाहिए। अक्सर बेटे का व्यवहार उसके पिता पर आधारित होता है। जिस तरह उसके पिता उसकी मां के साथ व्यवहार करेंगे वैसा ही वो करेगा। अगर पिता का व्यवहार मां के साथ अच्छा होगा तो वो आगे जाकर समाज में भी लड़कियों के साथ भी अच्छा ही व्यवहार करेगा। ये सब कुछ हमारे घर से शुरू होता है। वहीं एक और यूजर ने कमेंट किया, यह किस तरह का व्यवहार है? अगर रानी पुरानी पीढ़ी की हैं तो इसका मतलब ये नहीं कि वो कुछ भी कह सकती हैं।

स्कूल में रानी ने लड़के को मारा था थप्पड़- अभिनेत्री ने इस इंटरव्यू में अपने बचपन का एक किस्सा भी साझा किया। उन्होंने कहा, अपने जीवन में मैंने सिर्फ एक बार किसी को थप्पड़ मारा है। मैंने स्कूल के दिनों में एक लड़के को उसके व्यवहार के लिए सबक सिखाया था। उस लड़के को छोड़कर बाकी के सारे लड़के मेरे दोस्त थे। अब आप ये मेरे पति से मत पूछना कि उनके साथ मैं घर पर क्या करती हूं?

मेट्रो बाजार

5जी सेवाएं अब देश के 99.9 प्रतिशत जिलों में उपलब्ध

नई दिल्ली। देश में 5जी सेवा अब 99.9 प्रतिशत जिलों में उपलब्ध है और दूरसंचार घनत्व 86.76 प्रतिशत पर पहुंच गया है। यह जानकारी गुरुवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से जारी किए गए आर्थिक सर्वेक्षण में दी गई। आर्थिक सर्वेक्षण में बताया गया कि पिछले दशक में भारत के दूरसंचार क्षेत्र का तेजी से विस्?तार हुआ और गांव तथा शहर के बीच बंटी हुई पहुंच की दूरी को कम किया गया है, जिससे दूरसंचार घनत?व के 75.23 प्रतिशत से बढ़कर 86.76 प्रतिशत पर पहुंच गया है। सर्वेक्षण में आगे कहा गया कि यह परिवर्तन सरकार के डिजिटल रूप से सशक्त राष्ट्र के दृष्टिकोण को दर्शाता है। ये सभी प्रयास दूरसंचार इकोसिस्टम को तैयार करने जैसे- समावेशित (समावेशी विकास को गति प्रदान करने के लिए संपर्क स्थापित करना), विकसित (प्रदर्शन, सुधार और परिवर्तन), त?वरित (तेज विकास और आसान समाधान) और सुरक्षा (सुरक्षित और संरक्षित) पर केंद्रित थे। इसके अतिरिक्त आर्थिक सर्वेक्षण में बताया गया कि औद्योगिक अनुमान के अनुसार जून 2025 तक भारत की स?थापित डेटा सेंटर क्षमता लगभग 1280 मेगावॉट थी, जिसमें लगभग 130 निजी तौर पर संचालित डेटा सेंटर और केंद्र तथा राज्य स्तर पर सरकारी एजेंसियों द्वारा संचालित 49 डेटा सेंटर थे। आर्थिक समीक्षा 2025-26 के अनुसार, तेजी से डिजिटलीकरण और क?लाउड कं?यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आईओटी और 5जी जैसी तकनीकों के कारण डेटा सेंटर क्षमता 2030 तक बढ़कर लगभग 4 गीगावॉट होने का अनुमान है।

वैश्विक अनिश्चितता बढ़ी तो निवेशकों को सोना-चांदी का सहारा, सिल्वर की कीमतें 4 लाख के पार

मुंबई। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की धमकी से भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बाद सुरक्षित निवेश की मांग पर व्यापक असर पड़ा है। इसके चलते गुरुवार को कीमती धातुओं (सोने और चांदी) की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं। केंद्रीय बैंकों द्वारा की जा रही खरीदारी और अमेरिकी डॉलर के और कमजोर होने से भी सोने-चांदी की कीमतों में तेजी आई है। इससे निवेशकों का भरोसा इन कीमती धातुओं पर और बढ़ा है।

एमसीएक्स पर फरवरी डिलीवरी वाला सोना दोपहर 12:02 बजे 6.98 प्रतिशत यानी 11,575 रुपए बढ़कर 1,77,490 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं मार्च डिलीवरी वाली चांदी 23,633 रुपए यानी 6.13 प्रतिशत चढ़कर 4,08,999 रुपए प्रति किलो हो गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमत करीब 120 डॉलर प्रति औंस के आसपास रही। इस साल अब तक चांदी की कीमतों में 60 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हो चुकी है। इसकी बड़ी वजह सप्लाई की कमी बताई जा रही है।

कीमती धातुओं में यह तेज उछाल अमेरिकी फेडरल रिजर्व के उस फैसले के बाद आया है, जिसमें उसने ब्याज दरों को बिना बदले रखने का ऐलान किया। इससे निवेशकों को सोना-चांदी खरीदने का और प्रोत्साहन मिला। खबरों के मुताबिक अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ाई है। इसके बाद ट्रंप ने ईरान पर उसके परमाणु कार्यक्रम को लेकर दोबारा बातचीत शुरू करने का दबाव बनाया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान ने बातचीत से इनकार किया तो अमेरिका की कार्रवाई और ज्यादा सख्त हो सकती है। अमेरिकी बाजार में अप्रैल डिलीवरी वाले सोने के वायदा भाव 300 डॉलर बढ़कर 5,588.71 डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गए।

उत्तराखंड की नदियों-तालाबों में हैं खतरनाक जीवाणु!

इंदौर हादसे के बाद शुरू की जा रही पेयजल की जैविक जांच

देहरादून, एजेंसी

उत्तराखंड की नदियों-गदेरों में खतरनाक बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवी पनप रहे हैं। बैक्टीरिया जनित यह पानी लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। इंदौर में पिछले दिनों सामने आई दूषित पेयजल से मौतों जैसी घटना से बचाव के लिए जल संस्थान की 27 लैब में अब पेयजल की माइक्रोबायोलॉजी जांच शुरू होने जा रही है।इसके उपकरणों की खरीद के लिए शासन ने बजट जारी कर दिया है। प्रदेश में जल संस्थान की 13 जिलास्तरीय, एक राज्यस्तरीय और 13 उपखंडीय लैब है। ये सभी लैब नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लैबोरेटरीज (एनएबीएल) से मान्य हैं। लेकिन इनको अभी तक पानी की फिजियो केमिकल (पीएच, टीडीएस, क्लोराइड, फ्लोराइड, आयरन आदि) जांच के लिए ही मान्यता मिली है, माइक्रोबायोलॉजी जांच के लिए नहीं। जल संस्थान ने इसकी कवायद शुरू कर दी है। शासन ने एनएबीएल से माइक्रोबायोलॉजी जांच की मान्यता के लिए 192 लाख रुपये जारी किए हैं। इस बजट से लैबों में बायोसेफ्टी कैबिनेट, इंक्यूबेटर, ऑटोक्लेव, मेंब्रेन फिल्ट्रेशन असेंबली, कॉलोनी काउंटर, सूक्ष्मदर्शी और तुला जैसे जरूरी उपकरण खरीदे जाएंगे।

न्यूज विंडो

महेंद्र सिंह धोनी से अचानक मिले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

रांची। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने मुख्यमंत्री के समक्ष अचानक पहुंचकर चौंका दिया। मुख्यमंत्री ने अपने एक्स एकाउंट पर इसकी तस्वीर जारी करते हुए लिखा है कि माही से अचानक मिलन हुआ। तस्वीर में सीएम हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन के साथ धौनी बीच में दिख रहे हैं।

हालांकि, इस मुलाकात के पीछे की वजह अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। यह माना जा रहा है कि नए साल के अवसर पर हेमंत सोरेन और धोनी ने एक-दूसरे को शुभकामना दीं। धोनी और हेमंत सोरेन की इस मुलाकात से पहले मुख्यमंत्री ने हाल ही में दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच की बैठक में भी महेंद्र सिंह धोनी का जिक्र किया था। उन्होंने धोनी को झारखंड के 'स्पोर्टिंग लीगेसी' (खेल विरासत) के प्रतीक के रूप में बताया था।

पुलिस मुठभेड़: कैरव गांधी अपहरण कांड के 3 किडनैपर हुए घायल

जमशेदपुर। झारखंड के जमशेदपुर में गुरुवार देर रात पुलिस और अपहर्ताओं के बीच भीषण मुठभेड़ हो गई। यह मुठभेड़ बिष?टुपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत साई मंदिर के समीप रात तकरीबन दो बजे हुई, जिसमें तीन कुख्यात अपहर्ता गोली लगने से घायल हो गए।सभी घायलों को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। घायल अपहर्ताओं की पहचान बिहार के गयाजी जिले के रहने वाले गुड्डू सिंह, रमीज रजा और इमरान के रूप में हुई है।तीनों आरोपी झारखंड के चर्चित कैरव गांधी अपहरण कांड में पुलिस की गिरफ्त में आए थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया था कि उन्होंने अपहरण के दौरान इस्तेमाल कुछ हथियार सोनारी स्थित साई मंदिर के पीछे जंगल में छिपा रखे हैं।हथियारों की बरामदगी के लिए पुलिस टीम तीनों आरोपियों को वैन में लेकर मौके पर पहुंची। इसी दौरान मौका पाकर एक आरोपी ने पुलिसकर्मी से कार्बाइन छीन ली और फायरिंग करते हुए भागने की कोशिश की।

बेंगलुरु एयरपोर्ट पर यात्री ने दी बम की धमकी, किया गिरफ्तार

बेंगलुरु। बेंगलुरु एयरपोर्ट पर अलग-अलग घटनाओं को लेकर दो यात्रियों पर कानूनी कार्रवाई की गई है। दरअसल, बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बुधवार को दो अलग-अलग घटनाएं हुई, जिसके बाद पुलिस को दखल देना पड़ा। अलग-अलग फ्लाइट्स में यात्रा कर रहे दो यात्रियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। पहले मामले में, सुबह एक 52 साल के बिजनेसमैन को अहमदाबाद जाने वाली इंडिगो फ्लाइट के लिए सिक्योरिटी चेक के दौरान कथित तौर पर बम की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। यह घटना टर्मिनल 1 के एरोब्रिज गेट नंबर 30 पर सुबह करीब 6:12 बजे हुई, जब अबू अकील अजहर नाम के यात्री ने कथित तौर पर स्टाफ से कहा कि उसके पास 'दो छोटे बम' हैं। इस बयान के बाद तुरंत सुरक्षा प्रोटोकॉल बढ़ा दिए गए।

सुरक्षा के लिहाज से किया गिरफ्तार: इंडिगो के सिक्योरिटी मैनेजर रुशाद होमी ने एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई, जिसमें कहा गया कि आरोपी ने धमकी भरी भाषा का इस्तेमाल किया, जिससे विमान और उसके यात्रियों की सुरक्षा खतरे में पड़ गई। उस व्यक्ति को पुलिस के हवाले कर दिया गया और हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ के दौरान, अबू अकील ने कथित तौर पर कहा कि सिक्योरिटी प्रोसेस से निराशा के कारण उसने यह टिप्पणी की।

डेट भी थी फाइनल : अजित पवार के निधन के बाद फेल हुआ प्लान, एनसीपी नेता ने की पुष्टि

एनसीपी के दोनों गुटों का होने वाला था विलय!

मुंबई, एजेंसी

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नेता अजित पवार के निधन के बाद एक चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। वरिष्ठ नेताओं का दावा है कि एनसीपी के दोनों गुट आगामी 8 फरवरी को एक ऐतिहासिक पुनर्मिलन की घोषणा करने के लिए पूरी तरह तैयार थे, लेकिन अजित पवार के असामयिक निधन ने इस योजना को एक बड़ा झटका दिया।

बातचीत थी अंतिम चरण में

एनसीपी (एसपी) के वरिष्ठ विधायक जयंत पाटिल और एनसीपी (एसपी) प्रमुख शशिकांत शिंदे ने इस बात की पुष्टि कि दोनों गुटों के विलय को लेकर जारी बातचीत उन्नत चरण में है। यह बातचीत इस बिंदु तक पहुंच गई है कि संभावित मंत्रिमंडल फेरबदल और नए चेहरों को शामिल करने पर अनौपचारिक रूप से विचार किया जा रहा है। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, दोनों गुटों के बीच विलय की बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी थी और दोनों पक्षों के नेता जिला परिषद चुनाव परिणामों के बाद औपचारिक एकीकरण की तैयारी कर रहे थे, इसी दौरान यह दुखद घटना घटी।

दरअसल, वर्तमान में अजीत पवार के नेतृत्व वाला एनसीपी गुट सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन का हिस्सा है, जबकि एनसीपी (एसपी) शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस सहित महा विकास अघाड़ी का सदस्य है।

अजित पवार के निधन के बाद बुधवार को बारामती पहुंचे एनसीपी के वरिष्ठ नेताओं ने बैठक की। बैठक में राजनीतिक स्थिति के बीच परामर्श जारी रखने की तात्कालिकता पर चर्चा की गई। एनसीपी नेताओं ने कहा कि अजित पवार की मौत से इन योजनाओं के तत्काल क्रियान्वयन पर अनिश्चितता जरूर छा गई है, लेकिन मूल राजनीतिक प्रक्रिया अभी भी जारी है।

शरद पवार के घर हुई थी बैठक

जयंत पाटिल ने कहा, 'हाल के दिनों में हम (दोनों गुट) अक्सर मिलते रहे थे। 16 जनवरी को मेरे आवास पर मिले थे ताकि साथ मिलकर चुनाव लड़ने की बातचीत को अंतिम रूप दिया जा सके। 17 जनवरी को शरद पवार के घर पर एक बैठक हुई थी। दोनों गुटों के बीच बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी थी।'

कांग्रेस के पार्षदों को बस से अगवा करने की कोशिश! आधा दर्जन लोगों पर केस दर्ज, एक गिरफ्तार

चंद्रपुर: महाराष्ट्र के चंद्रपुर में गुरुवार को एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। कुछ नकाबपोश लोगों ने हाल ही में चुनाव में जीते कांग्रेस पार्टी के पार्षदों को बस से अगवा करने की कोशिश की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये पार्षद चंद्रपुर म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन के नए चुने गए सदस्य थे और नागपुर जा रहे थे। पुलिस ने इस मामले में आधा दर्जन लोगों पर केस दर्ज किया है और एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, यह घटना वर्धा जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे के पास हुई, जो नागपुर से सटा हुआ है।

विजय वडेट्टीवार के समर्थक थे सभी पार्षद

बस में सवार कांग्रेस के एक वरिष्ठ पार्षद ने बताया कि पार्टी के समर्थकों ने वक्त पर आकर मदद की और पुलिस ने भी तुरंत एक्शन लिया जिसके चलते उन्हें अगवा करने की कोशिश नाकाम हो गई। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, ये 17 से 18 पार्षद कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार के वफादार थे। ये सभी पार्षद नागपुर जा रहे थे, जहां उनके गुट को स्थानीय निकाय चुनावों में जीत दर्ज करने के बाद डिविजनल कमिश्नर के ऑफिस में आधिकारिक रूप से रजिस्टर कराना था।

4 से 6 गाड़ियों में सवार होकर आए थे आरोपी

रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाम करीब 5:45 बजे येलकेली टोल प्लाजा के पास लगभग 20 अज्ञात लोग आए, जिनके चेहरे ढके हुए थे। वे 4 से 6 गाड़ियों में सवार थे और जबरदस्ती कांग्रेस पार्षदों को बस से निकालने की कोशिश करने लगे। इस बीच, कुछ कांग्रेस कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए जिससे दोनों गुटों में झड़प हो गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया। सूचना मिलते ही सावंगी पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और हालात को संभाल लिया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने एक आरोपी को पकड़ लिया, जिसका नाम कनैन सिद्दीकी है।और वह नागपुर का रहने वाला है।

क्यूबा को तेल देने वाले देशों पर भी शुल्क

ट्रंप की नई धमकी: कनाडा पर और बढ़ाएंगे टैरिफ

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कनाडाई विमानों पर 50 फीसदी और क्यूबा को तेल देने वाले देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी दी। डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा के खिलाफ अपने व्यापारिक रुख को और सख्त करते हुए चेतावनी दी कि अमेरिका में बेचे जाने वाले कनाडाई विमानों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सकता है। यह कदम अमेरिका और कनाडा के बीच जारी व्यापार युद्ध में ताजा बढ़ोतरी माना जा रहा है, जो ट्रंप और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच बढ़ते टकराव के बीच सामने आया है।

क्यूबा को तेल देने वाले देशों पर फूटेगा टैरिफ बम: वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत क्यूबा को तेल बेचने या आपूर्ति करने वाले देशों से आने वाले किसी भी सामान पर शुल्क लगाया जाएगा। ट्रंप के इस फैसले से मैक्सिको पर दबाव बढ़ने की आशंका है।

मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शाइनबाम ने इस हफ्ते कहा कि उनकी सरकार ने अस्थायी रूप से क्यूबा को तेल की आपूर्ति रोक दी है। उन्होंने कहा कि यह एक संप्रभु फैसला था, जो अमेरिका के दबाव में नहीं लिया गया था। गौरतलब है कि ट्रंप क्यूबा सरकार से दूरी बनाने के लिए मैक्सिको पर दबाव डाल रहे हैं। कनाडा पर टैरिफ लगाने की धमकी वाले अपने बयान में ट्रंप ने कहा कि यह कदम कनाडा की ओर से जॉर्जिया के सवाना स्थित गल्फस्ट्रीम एयरोस्पेस द्वारा बनाए गए विमानों के प्रमाणन से इनकार के जवाब में उठाया जा रहा है।

किश्तवाड़ में छिपे जैश के 3 आतंकी, सर्च ऑपरेशन जारी, इंटरनेट बंद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकियों के छिपे होने की खबर है। इन आतंकियों को मार गिराने के लिए सेना का अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने आज को बर्फ से ढके चतरू इलाके में चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियान को तेज कर दिया है ताकि जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में छिपे जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादियों के समूह का पता लगाकर उन्हें खत्म किया जा सके।कार्रवाई के चलते इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गई है।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर पीएम ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 78वीं पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया और उनके महान विचारों को याद किया। 'एक्स' के माध्यम से उन्होंने बापू को नमन करते हुए लिखा, 'पूज्य बापू ने मानवता की रक्षा के लिए हमेशा अहिंसा पर बल दिया। इसमें वह शक्ति है जो बिना हथियार के दुनिया को बदल सकती है। 'अहिंसा परमो धर्मस्तथाऽहिंसा परन्तप:। अहिंसा परमं सत्यं यतो धर्म: प्रवर्तते।'

अहिंसा परमं सत्यं यतो धर्मः प्रवर्तते...

नाइजर की राजधानी नियामे में एयर फोर्स बेस पर हुआ हमला, 20 लोगों की मौत, 11 गिरफ्तार

नियामे। नाइजर की राजधानी नियामे में बड़ा हमला हुआ है। यहां डियोरी हमानी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर स्थित एयर बेस पर भयानक हमला हुआ है। नाइजर के सरकारी ब्रॉडकास्टर ने बताया कि रात राजधानी में नाइजर एयर फोर्स बेस पर हथियारबंद लोगों ने हमला किया। हमले के दौरान भारी गोलीबारी और धमाके हुए। नाइजर के सरकारी टेलीविजन ने बताया कि देश संघर्ष से जूझ रहा है। हमलावर मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए थे जिन्हें सुरक्षा बलों ने उन्हें खदेड़ दिया।

सरकारी टेलीविजन ने बताया कि हमले में 4 सैनिक घायल हो गए। जवाबी कार्रवाई में 20 हमलावर मारे गए हैं और 11 अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार किए गए ज्यादातर हमलावर घायल थे। वीडियो में दिख रहा है कि हमला आधी रात के आसपास हुआ था। डियोरी हमानी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास से धमाकों की आवाज आ रही है गोलियां चलती हुई नजर रही हैं निवासियों और विश्लेषकों ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया था कि यह घटना हथियारबंद समूहों द्वारा किया गया हमला हो सकता है।

मेट्रो एंकर

ट्रंप परिवार को झटका! सोशल मीडिया पर यूजर्स उड़ा रहे मजाक

ब्रिटेन में औंधे मुंह गिरी मेलानिया की डॉक्यूमेंट्री, बिका सिर्फ एक टिकट

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी मेलानिया ट्रंप की डॉक्यूमेंट्री ब्रिटेन में बुरी तरह फ्लॉप साबित हुई है। अमेरिका की फर्स्ट लेडी पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'मेलानिया' ब्रिटेन में रिलीज होते ही फ्लॉप हो गई। फिल्म की शुरुआती टिकट बिक्री इतनी कमजोर रही कि लंदन में प्रीमियर शो के लिए महज एक टिकट ही बिका। शाम 6 बजे के शो में 2 टिकट बिके, जबकि अन्य कई स्क्रीनिंग्स में सीटें पूरी तरह खाली रहीं। फिल्म 'मेलानिया' अमेजन स्र्ल्लरूस्टूडियोज द्वारा निर्मित है, जिसने इसके राइट्स के लिए करीब 40 मिलियन डॉलर (लगभग 340 करोड़ रुपये) चुकाए और प्रमोशन पर अतिरिक्त 35 मिलियन डॉलर (लगभग 300 करोड़ रुपये) खर्च किए हैं।

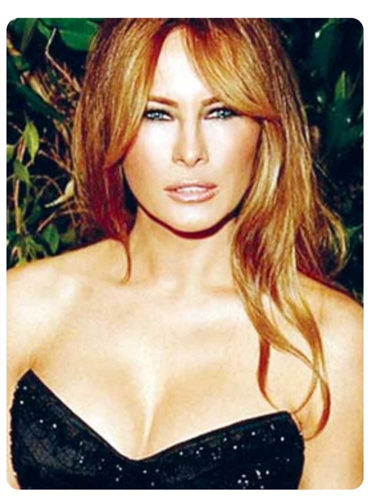

फेल हो गया ट्रंप का दावा

डॉक्यूमेंट्री को डायरेक्टर ब्रेट रैटनर ने निर्देशित है जिसमें मेलानिया खुद एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। फिल्म डोनाल्ड ट्रंप की 2025 में दोबारा चुनाव जीतने के बाद के 20 दिनों की घटनाओं पर फोकस करती है, जिसमें व्हाइट हाउस में उनकी वापसी, डिप्लोमैटिक इंगेजमेंट्स और पर्सनल लाइफ के पीछे के दृश्य दिखाए गए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर इसे Must Watch बताते हुए दावा किया था कि टिकट Fast Selling Out हो रहे हैं लेकिन ब्रिटेन में जो दिखा वो कुछ अलग ही कहानी है।

सिनेमाघरों में डॉक्यूमेंट्री का हाल बुरा

Vue सिनेमा चेन के चीफ एग्जीक्यूटिव टिम रिचर्ड्स ने द गार्जियन को बताया कि यूके में टिकट सेल नहीं हुए हैं। लंदन के इस्लिंगटन ब्रांच के अलावा ब्लैकबर्न, कैसलफोर्ड और हैमिल्टन जैसी जगहों पर 28 स्क्रीनिंग्स में कोई एडवांस बुकिंग नहीं हुई। कुछ अन्य सिनेमाघरों जैसे वांड्सवर्थ के सिने वर्ल्ड में 4 टिकट और ब्रॉटन में 5 टिकट बिके, लेकिन कुल मिलाकर रिस्पॉन्स बेहद ठंडा रहा। रिचर्ड्स ने कहा कि उन्हें फिल्म दिखाने के फैसले पर जनता से कई ईमेल मिले, जिनमें विरोध जताया गया। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश बोर्ड ऑफ फिल्म क्लासिफिकेशन की मंजूरी मिलने पर वो इसे दिखा रहे हैं। मेलानिया ट्रंप पर बनी डॉक्यूमेंट्री का फ्लॉप होना कई कारणों से चर्चा में है। एक ओर फिल्म पर प्रोडक्शन के दौरान Chaos होने के आरोप लगे हैं, वहीं डायरेक्टर ब्रेट रैटनर पर पुराने विवादों का असर भी दिख रहा है। सोशल मीडिया पर यूजर्स इसे Embarrassing Flop बता रहे हैं और मजाक उड़ा रहे हैं कि एक टिकट किसने खरीदा? क्या नाइजेल फराज? जैसे कमेंट्स वायरल हो रहे हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564